

संक्षिप्तसमाचार

रांची में नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। राजधानी के सिल्ली-गुरी इलाके में 17 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या करने वाले 23 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मारदु गांव निवासी भागवत महतो उर्फ भगवान दास महतो के रूप में हुई है। रांची पुलिस के द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने किशोरी को फोन कर बुलाया था। किशोरी अपने माई के साथ आरोपी से मिलने पहुंची थी, इसी दौरान आरोपी ने किशोरी के माई पर हमला कर उसे घायल कर दिया और किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस के मुताबिक, घटना 18 अक्टूबर की है। किशोरी के पिता ने गुरी ओपी में पहुंचकर पुलिस को बताया कि उनकी 17 वर्षीय बड़ी बेटी दोपहर करीब 2 बजे यह कहकर घर से निकली थी कि वह 5 मिनट में लौट आएगी, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी वह घर नहीं पहुंची। थाम होने तक बेटी के वापस नहीं लौटने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई। परिवार के सदस्यों ने अपने स्तर से उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। काफी खोजबीन के बाद भी जब किशोरी का पता नहीं चला, तो उसके पिता उसी दिन शाम करीब 7:30 बजे गुरी ओपी पहुंचे और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। किशोरी के पिता की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने वरीय अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। उनके निर्देश पर पिता के बयान के आधार पर अज्ञात शख्स के खिलाफ सिल्ली-गुरी ओपी कांड संख्या 66/2026 दर्ज किया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109, 64(1) और 103(1) के साथ पॉक्सो अधिनियम की धारा 4/6 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय एसपी ने पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक सिल्ली मनीषचंद्र लाल के नेतृत्व में विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया। इसके बाद पुलिस ने किशोरी की तलाश और घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाने का काम शुरू किया। किशोरी की तलाश के दौरान पुलिस टीम को रात करीब 9:35 बजे मारदु गांव के छापगढ़ स्थित जंगल की झाड़ियों के बीच उसका शव मिला।

गिरिडीह में अनियंत्रित कार ने मारी टक्कर, हादसे में एक की मौत, 12 के करीब घायल

गिरिडीह, एजेंसी। जिले के धनवार में सड़क हादसे के बाद खूब हंगामा मचा। दरअसल, घटना खोरीमहुआ-धनवार मुख्य मार्ग पर बिशनपुर के पास हुई। यहां सड़क हादसे में एक शख्स की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 12 के करीब लोगों घायल होने की सूचना मिली है। हादसे के बाद इलाके में अगुआ-ताफरी मंच गई। बताया जा रहा है कि बिशनपुर के पास एक बेकाबू कार ने आँटो समेत कुछ वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद लोग आक्रोशित हो गए। इधर आक्रोशित लोगों ने एक साथ मिलकर उस कार में आग लगा दी। गिरसे टक्कर मारी थी। जैसे ही घटना की सूचना एसपी जे. बिगल कुमार को मिली। वैसे ही खोरी महुआ एसडीपीओ अमर्दे कुमार के साथ थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझाने की कोशिश की और कड़ी मशक्कत के बाद लोगों को शांत कराया गया। दूसरी तरफ घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं पुलिस पूरे मामले की जानकारी में जुटाने में लगी है। इधर, धनवार थाना प्रभारी ने बताया कि एक दुर्घटना हुई है। हादसे में एक की मौत हुई है। घायलों का इलाज चल रहा है और बाकी स्थिति निराशाजनक है।

हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना ने ढाबे में बनाई चाय, सीएम ने वहीं लोगों के साथ लगाई बैठकी

रामगढ़, एजेंसी। झारखंड आंदोलन के संघर्षों की गवाह रहे जंगल-पहाड़ की राहों पर अब विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। जिन दुर्गम रास्तों से कभी दिशोम गुरु शिबू सोरेन अपने पैतृक गांव नेमरा आया-जाया करते थे, उन्हीं रास्तों पर अब पक्की सड़क आकार ले रही है। संघर्ष के उन दिनों की यादों को समेटे इसी बरलंगा-नेमरा-कसमार सड़क का निरीक्षण करने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बोकारो जिले के कसमार पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद थीं।

मां रूपी सोरेन के निधन के बाद करीब 14 दिनों तक अपने पैतृक गांव नेमरा में रहने के बाद मुख्यमंत्री का यह दौरा कई मायनों में खास रहा। रविवार को नेमरा में संस्कार भोज का आयोजन हुआ था, जबकि सोमवार को मुख्यमंत्री ने रामगढ़ जिले के रजरप्पा स्थित दामोदर-भैरवी संगम पर अपनी दिवंगत माता की अस्थियों का विसर्जन किया। मंगलवार को वे विकास कार्यों का जायजा लेने निकले और अपने पैतृक गांव को जोड़ने वाली बरलंगा-नेमरा-कसमार सड़क का निरीक्षण करते हुए कसमार पहुंचे।

सड़क निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री बाजारटांड चौक स्थित कुणाल जायसवाल की चाय-पकौड़ी की दुकान पर रुके। यहां उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ बैठकर चाय-पकौड़ी का आनंद लिया। खास बात यह रही



कि कल्पना सोरेन ने खुद चाय बनाई। मुख्यमंत्री और विधायक का यह सहज अंदाज स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। इसके बाद मुख्यमंत्री सेवार्ता घाटी भी पहुंचे और वहां की स्थिति तथा विकास की संभावनाओं का जायजा लिया।

सीएम हेमंत सोरेन अपनी दिवंगत माता रूपी सोरेन के निधन के बाद पिछले करीब 14 दिनों से अपने पैतृक गांव नेमरा में थे। इस दौरान वे परिवार के साथ क्रियाकर्म और पारंपरिक रस्मों में शामिल रहे। रविवार को

संस्कार भोज में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग नेमरा पहुंचे और दिवंगत रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके बाद सोमवार को मुख्यमंत्री अपनी माता की अस्थियां लेकर रजरप्पा पहुंचे। यहां दामोदर और भैरवी नदियों के पवित्र संगम पर अस्थि विसर्जन किया गया। इन पारिवारिक और धार्मिक रस्मों के संपन्न होने के बाद मंगलवार को मुख्यमंत्री ने क्षेत्र की विकास योजनाओं का जायजा लिया।

मातृ-वियोग के इस कठिन दौर के बीच

मुख्यमंत्री का सड़क निरीक्षण और स्थानीय लोगों के बीच सहज रूप से समय बिताना उनके दौर को अलग पहचान देता है। यह यात्रा किसी बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम के बजाय सड़क निर्माण और क्षेत्र की विकास संभावनाओं पर केंद्रित रही।

बरलंगा से नेमरा होते हुए कसमार तक लगभग 26.5 चरूं लंबी सड़क का निर्माण झारखंड राज्य उच्च पथ प्राधिकरण की ओर से कराया जा रहा है। यह सड़क रामगढ़ जिले के नेमरा और बोकारो जिले के कसमार क्षेत्र

को जोड़ने के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मुख्यमंत्री ने निर्माणधीन सड़क का निरीक्षण कर इसकी स्थिति का जायजा लिया।

सड़क निर्माण पूरा होने के बाद आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन आसान होने की उम्मीद है। ग्रामीणों को बाजार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और कारोबार तक पहुंचने में सहूलियत मिल सकती है। नेमरा और आसपास के गांवों से कसमार, खैराघाट, पिरगुल तथा बोकारो जिले के अन्य प्रमुख क्षेत्रों तक पहुंच भी अधिक सुविधाजनक हो सकती है।

इस परियोजना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि इसका जुड़ाव दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पैतृक गांव और झारखंड आंदोलन के इतिहास से है। सड़क निर्माण से क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहतर होने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति मिलने की उम्मीद है।

सड़क का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन कसमार के बाजारटांड चौक स्थित कुणाल जायसवाल की चाय-पकौड़ी की दुकान पर पहुंचे। दोनों करीब 10 मिनट तक वहां रुके। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों के साथ बैठकर चाय-पकौड़ी का स्वाद लिया और लोगों से मुलाकात की।

इस दौरान कल्पना सोरेन ने खुद चाय बनाई।

पलामू में नावाबाजार में महिला लापता, अपहरण की आशंका, ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे किया जाम

पलामू, एजेंसी। जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र के बसना गांव से एक महिला लापता हो गई है। परिजनों ने अपहरण की आशंका जाहिर की और नेशनल हाईवे 39 को जाम कर दिया है। ग्रामीण, महिला को बरामद करने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं।

दरअसल बसना गांव की रहने वाली महिला मंगलवार की रात दुर्गा पूजा समारोह से वापस घर लौट रही थी। इसी क्रम में महिला लापता हो गई। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार गांव के ही रहने वाले एक व्यक्ति ने महिला का अपहरण किया है। जिस व्यक्ति पर आरोप लगा है वह अपराधिक प्रवृत्ति का है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और पूरे मामले में खनबीन शुरू कर दी।

नावाबाजार के थाना प्रभारी संजय कुमार यादव ने बताया कि घटनास्थल से पुलिस को एक बाइक मिली है जिस व्यक्ति पर आरोप लगा है वह अपराधिक

प्रवृत्ति का है। पुलिस पूरे मामले में खनबीन कर रही है। आरोपी के खिलाफ छापेमारी की जा रही है। ग्रामीणों ने पुलिस को कई बिंदुओं पर जानकारी भी दी है जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है।



दरअसल महिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी रही है। ग्रामीणों ने बसना में ही नेशनल हाईवे 39 को जाम किया है। जाम से जनजीवन प्रभावित हो गया है। दोनों ओर से वाहनों की लंबी लाइन लगी हुई है। हालांकि पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर जाम को खुलवाने का प्रयास कर रहे हैं।

बुंडू के पीपीके कॉलेज में एनसीसी यूनिट निलंबित, राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग, आंदोलन की चेतावनी

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची के बुंडू स्थित पंच परगना किसान कॉलेज यांनी पीपीके कॉलेज में निलंबित एनसीसी यूनिट को दोबारा चालू कराने की मांग तेज हो गई है। एनसीसी कैडेट्स और पूर्व कैडेट्स ने जेएलकेएम नेता देवेंद्र नाथ महतो के नेतृत्व में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर छात्रों के भविष्य और हितों का हवाला देते हुए एनसीसी यूनिट का निलंबन समाप्त कराने के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। देवेंद्र नाथ महतो के मुताबिक, राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को



गंभीरता से सुना और समस्या के समाधान के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन से पत्राचार करने का भरोसा दिलाया। देवेंद्र कुमार महतो ने कहा कि पीपीके कॉलेज पंचपरगना क्षेत्र का

एक महत्वपूर्ण छिछ्री कॉलेज है। यहां पिछले 41 वर्षों से एनसीसी यूनिट संचालित हो रही थी, जिसका लाभ हजारों छात्र उठा चुके हैं। लेकिन 16 अप्रैल 2026 से कॉलेज की 7/3 एनसीसी

कंपनी निलंबित है। इससे बुंडू, तमाड़, राह, सोनाहातू और सिल्ली समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने एनसीसी यूनिट के निलंबन के लिए विश्वविद्यालय की कथित लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। उनका कहना है कि ग्रामीण, किसान और मजदूर परिवारों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए एनसीसी प्रशिक्षण, अनुशासन, व्यक्तित्व विकास और रक्षा सेवाओं में करियर बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे में यूनिट का निलंबन छात्रों के भविष्य के साथ-साथ उनके अवसरों को भी प्रभावित कर रहा है।

दुमका पहुंचे दो मजदूरों के शव, गुजरात की केमिकल फैक्ट्री में हुए हादसे में गंवाई थी जान

दुमका, एजेंसी। गुजरात से दो मजदूरों के शव दुमका पहुंचे। शव पहुंचते ही परिजनों के चींकार से पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया। दरअसल, गुजरात के छत्राल में 3 दिन पहले एक कलर बनाने वाली फैक्ट्री का बॉयलर फटने से चार मजदूरों की मौत हो गई थी, जिसमें दो दुमका के रामगढ़ प्रखंड के रहने वाले थे और रिश्ते में चचेरे भाई थे। दोनों का शव रविवार शाम उनके घर पहुंचा।

दुर्गा पूजा के उल्लास के बीच रविवार शाम रामगढ़ के ऊपर ग्रहण गांव के सोगे टोला में मातम पसर गया। गुजरात के गांधीनगर के छत्राल स्थित केमिकल फैक्ट्री में हुए विस्फोट में जान गंवाने वाले टेडा देहरी और सिकंदर देहरी का शव जब गांव पहुंचा तो परिजनों की चींकार से माहौल गमगीन हो गया। इस बीच दोनों

परिवारों के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल था। मृतक टेडा देहरी और सिकंदर देहरी रामगढ़ प्रखंड की सिलठा बी पंचायत के ऊपर ग्रहण गांव के सोगे टोला के रहने वाले थे। दोनों आपस में चचेरे भाई थे और आदिम जनजाति पहाड़िया समुदाय से आते थे। परिजनों ने बताया कि दोनों इसी साल जुलाई में काम करने गुजरात गए थे। इससे पहले भी वे इसी कंपनी में मजदूरी कर चुके थे। परिवार की जरूरतें पूरी करने के लिए वे घर से दूर रहकर मेहनत कर रहे थे, लेकिन फैक्ट्री में हुए हादसे में दोनों की मौत हो गई।

घटना 15 अक्टूबर की है। गुजरात के गांधीनगर के निकट छत्राल केमिकल फैक्ट्री में बॉयलर का नोजल फटने से जोरदार विस्फोट हुआ था।

पलामू में अलग-अलग हादसों में छह लोगों की मौत



पलामू, एजेंसी। जिले में पिछले 24 घंटे के भीतर अलग-अलग हादसों में 6 लोगों की मौत हो गई। 4 लोगों की मौत पानी में डूबने से हुई है जबकि एक की मौत सड़क हादसे और एक महिला की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। दरअसल, मंगलवार को पलामू के हैदरनगर थाना क्षेत्र के पतरिया गांव में 24 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

इधर, ससुराल वालों ने इसे आत्महत्या बताया है जबकि मायके वालों ने ससुराल

वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस पूरे मामले में खनबीन कर रही है। हैदरनगर के थाना प्रभारी तंजीलुल नन्गान के मुताबिक, पुलिस पूरे मामले में जांच कर रही है।

दूसरी घटना पलामू के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र की है। बेल बिगहा के नावाडीह के रहने वाले 64 वर्षीय किसान अवध सिंह की कररबार नदी में डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत करने के बाद शव को नदी से बाहर निकाला है। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के पतरा कला के 35 वर्षीय किसान अंबेडकर

कुमार पासवान की कुआं में डूबने से मौत हो गई है। तीनों मृतकों के शव को पोस्टमार्टम हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में किया गया है।

हुसैनाबाद के थाना प्रभारी चंदन कुमार ने दोनों घटनाओं की पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। चौथी मौत पलामू के पाटन थाना क्षेत्र केल्हार गांव में हुई है, जहां तालाब में डूबने से दिव्यांग की मौत हो गई है, दिव्यांग मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर था।

रांची सदर अस्पताल में मरीज बाहर से प्लेटलेट्स की व्यवस्था करने को मजबूर, उपाधीक्षक ने कहा- कराएंगे जांच

रांची, एजेंसी। देश के 10 टॉप जिला अस्पतालों में जगह बना चुका रांची के सदर अस्पताल कई गंभीर बीमारियों के गुणवत्तापूर्ण इलाज की वजह से अक्सर वाहवाही बटोरता रहा है। यहां ब्लड डिसऑर्डर की गंभीर बीमारियों से लेकर कई तरह का कैंसर, किडनी, लिवर, दिल की बीमारियों तक के इलाज की व्यवस्था है। अब आगे कैथलैब और बोन मैरो ट्रांसप्लांट तक की योजना पर आगे बढ़ रहा है।

इस अस्पताल में आयुष्मान मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत अग्लॉस्टिक एनीमिया के मरीजों को 15 लाख तक का इलाज भी मुफ्त होता है। लेकिन इतनी व्यवस्था वाले इस टॉप रैंक सदर अस्पताल में ब्लड डिसऑर्डर के मरीजों को कीमो और अन्य दवाओं के बाद बेहद जरूरी

प्लेटलेट्स की व्यवस्था बाहर से करना पड़ता है। जबकि नियम यह कहता है कि आयुष्मान के तहत मरीजों को अगर बाहर से दवा या ब्लड से प्लेटलेट्स मंगाना पड़े तो उसकी व्यवस्था भी अस्पताल को करना होगा।

सदर अस्पताल में अग्लॉस्टिक एनीमिया के इलाज पर मरीज के परिजन

जुनैद और टेकलाल कहते हैं कि उनके परिजन अग्लॉस्टिक एनीमिया के मरीज हैं। उन्हें दवा (कीमो) चढ़ाने के बाद 4 यूनिट प्लेटलेट्स चढ़ाना पड़ता है। लेकिन अस्पताल की ओर से प्लेटलेट्स नहीं मिलता है। इसलिए राजधानी के दूसरे निजी अस्पतालों के ब्लड बैंक से प्लेटलेट्स खरीदना पड़ता है।

मरीज के परिजन जुनैद बताते हैं कि राज हॉस्पिटल से 700 रुपये में और आर्किड हॉस्पिटल, हेल्थ पॉइंट से 820 रुपये में प्लेटलेट्स खरीदते हैं। वहीं दूसरे मरीज के परिजन टेकलाल कहते हैं कि वे बेहद गरीब परिवार से आते हैं। इसलिए लगातार चार-चार यूनिट प्लेटलेट्स की व्यवस्था करना उनके लिए बहुत मुश्किल से हो पाता है।

इस दौरान उपाधीक्षक डॉ बिमलेश कुमार सिंह ने कहा कि अस्पताल में जो मरीज ब्लड डिसऑर्डर के हैं, उन्हें ब्लड प्लेटलेट्स की व्यवस्था अस्पताल से ही की जाती है। परिजन द्वारा बाहर से प्लेटलेट्स लाने की सवाल पर कहा कि इसके बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। अगर मरीज बाहर से लाते हैं तो इसकी जांच करवाने की बात कही है।

बिहार में दारोगा की दबंगई, मंच पर चढ़कर महिला डांसर को मारा थप्पड़, पिस्टल लहराकर दी धमकी

बेगूसराय, एजेंसी। बिहार के बेगूसराय में दुर्गा पूजा के दौरान एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भारी बवाल का मामला सामने आया है. यह पूरा विवाद जिले के मुफरिस्सल थाना क्षेत्र के पानगाछी चौक स्थित दुर्गा स्थान का बताया जा रहा है. आरोप है कि, कार्यक्रम की सुरक्षा में तैनात एक दारोगा ने अचानक मंच पर चढ़कर महिला डांसर के साथ दुर्व्यवहार किया.

विरोध करने पर दारोगा ने महिला डांसर को सरेआम थप्पड़ मार दिया और अपनी सर्विस पिस्टल तानकर वहां जमकर हंगामा किया. इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद इलाके में तनाव है. बेगूसराय के एसपी मनीष कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच सदर-1 के एसडीपीओ को सौंप दी है.

दरअसल यह शर्मनाक मामला मंगलवार की रात का बताया जा रहा है जहां स्थानीय लोगों द्वारा दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर



भव्य जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. यह कार्यक्रम पूरी रात चलना निर्धारित था और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए वहां मुफरिस्सल थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह समेत भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई थी.

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान दारोगा अचानक मंच पर पहुंच गए और

तुरंत गाना बंद करने का आदेश दिया. इस मामले में पीड़ित महिला डांसर ने बताया कि दारोगा के निर्देश के बाद उन्होंने गाना बंद कर दिया था. जब वे लोग मंच से वापस जाने लगीं तो इसी दौरान दारोगा ने पीछे से आकर उन्हें थप्पड़ मार दिया.

जब डांसर ने इस बर्ताव पर सवाल उठाया कि आखिर उन्हें किस बात के लिए थप्पड़

विजयादशमी के बाद भी बिहार के इस गांव में जिंदा रहता है रावण, 250 साल से चली आ रही परंपरा

बक्सर, एजेंसी। देशभर में विजयादशमी के दिन रावण वध के साथ बुवाई पर अच्छाई की जीत का उत्सव संपन्न हो जाता है. दशहरा बीतते ही अधिकांश जगहों पर रावण के पुतले राख में तब्दील हो जाते हैं. लेकिन बिहार के बक्सर जिले के कुकुढ़ा पंचायत में कहानी कुछ अलग है. बक्सर के कुकुढ़ा की कहानी सिर्फ दशहरा के बाद रावण वध करने की नहीं है. यह उस सांस्कृतिक विरासत की कहानी है, जिसे गांव के लोगों ने पीढ़ियों से संभालकर रखा है. देश के अधिकांश हिस्सों में विजयादशमी के साथ रावण दहन का अध्याय समाप्त हो जाता है, लेकिन कुकुढ़ा में शरद पूर्णिमा तक रामलीला की कथा चलती रहती है. इसके बाद राम-रावण युद्ध और रावण वध के साथ आयोजन संपन्न होता है. कुकुढ़ा गांव में विजयादशमी के बाद भी रावण जिंदा रहता हैं. करीब 250 साल पुरानी



परंपरा के तहत गांव में शरद पूर्णिमा तक रामलीला का मंचन होता है और इसके बाद ही रावण वध किया जाता है. यही विशेषता इस गांव के रामलीला को खास पहचान दिलाती है. इसकी शुरुआत किसने की? शरद पूर्णिमा को ही क्यों चुना गया? रविवार या मंगलवार पड़ने पर रावण वध अगले दिन करने की मान्यता कैसे बनी? ये आज भी रहस्य बना हुआ है. ग्राम पंचायत कुकुढ़ा में रावण वध की

पटना हाईकोर्ट ने जमीन मालिकों को दिया झटका, गलत तरीके से मुआवजा लिया तो करना पड़ेगा वापस



पटना, एजेंसी। पटना हाईकोर्ट ने भारत-नेपाल सीमा सड़क निर्माण के नाम पर गलत तरीके से भारी मुआवजा उठाने वाले जमीन मालिकों को बड़ा झटका दिया है. अदालत ने साफ-साफ कहा कि, ‘अगर आवासीय बताकर खेती की जमीन का ज्यादा मुआवजा लिया गया है, तो सरकार को वह अतिरिक्त पैसा वसूलने का पूरा अधिकार है.’ जस्टिस सुधीर सिंह एवं जस्टिस राजेश कुमार वर्मा की खंडपीठ ने गवर्नरन साह (अररिया) द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया है. साल 2016 में अररिया जिले के नरपतगंज, फारबिसगंज, कुरसाकांठा और सिकटी अंचल के 64 गांवों की 456 एकड़ से अधिक जमीन इंडो-नेपाल बॉर्डर रोड के लिए अधिग्रहित की गई थी. उस वक्त यह मामला आपातकालीन धारा 40 का था, इसलिए अनुमानित मूल्यांकन के

आधार पर भू-स्वामियों को ‘आवासीय भूमि’ का भारी-भरकम मुआवजा और सोलेलियम दे दिया गया. सड़क बना गई और लोग पैसों पर कुंडली मारकर बैठ झटका दिया है. लेकिन 2017 में जब शिकायतों के बाद 6 सदस्यीय जांच कमेटी गठित हुई, तो असली खेल का बड़ा खुलासा हुआ. जिस जमीन को कागजों में ‘आवासीय’ दिखाकर करोड़ों का भुगतान किया गया था, वह असल में कृषि योग्य (खेती की) जमीन थी. जिला भू-अर्जन अधिकारी ने मार्च 2018 में नोटिस जारी कर अतिरिक्त पैसे वापस लौटाने का आदेश दे दिया. इसके खिलाफ याचिकाकर्ता ने दलील दी कि अधिसूचना के समय खुद अधिकारियों ने जमीन को आवासीय लिए अधिग्रहित की गई थी. उस वक्त यह मामला आपातकालीन धारा 40 का था, इसलिए अनुमानित मूल्यांकन के

रिकवरी करना पूरी तरह गैर-कानूनी है.’ हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता की इन दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया. हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अनुमानित भुगतान कभी भी अंतिम नहीं होता है. अदालत ने कहा कि, आपातकालीन प्रावधान में दिया गया शुरुआती 80 फीसदी मुआवजा महज एक अनुमान था, न कि अंतिम अवार्ड. अगर अफसरों की लापरवाही, मिलीभगत या गलती से जनता के खून-पसीने का पैसा ज्यादा बंट गया है, तो उसे वसूलना सरकार का हक है. कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक धारा 37 के तहत ‘अंतिम अवार्ड’ तैयार नहीं हो जाता, तब तक बैंक खाता फ्रीज नहीं किया जा सकता. लेकिन, अवार्ड फाइनल होते ही सार्वजनिक मांग वसूली अधिनियम, 1914 के तहत चुकी है, तो इतने सालों बाद पैसे की

मोतिहारी के साई बाबा मंदिर में 10 किलो चांदी की छतरी और गणेश जी का मुकुट ले उड़े चोर



मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के मोतिहारी में शहर के मिसकौट मोहल्ला स्थित साई मंदिर में चोरी हुई है. देर रात मंदिर में चुरे चोर साई बाबा की चांदी की छतरी और भगवान गणेश जी का चांदी का मुकुट चोरी कर फरार हो गए. चोरी की गई छतरी की अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई जा रही है. घटना सामने आने के बाद नगर थाना क्षेत्र की पुलिस के साथ स्रस्फूर और डोंग स्क्वाॅड की टीम भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. जानकारी के मुताबिक, चोरी की यह घटना रात करीब एक बजे की है. चोर मंदिर में दाखिल हुए और साई बाबा की चांदी की छतरी के साथ भगवान गणेश जी का मुकुट लेकर फरार हो गए. सुबह घटना की जानकारी मिलने के बाद मंदिर प्रबंधन और श्रद्धालुओं में चिंता फैल गई. चोरी की गई चांदी की छतरी का वजन करीब 10 किलोग्राम बताया जा रहा है. इसकी अनुमानित कीमत लगभग 15 लाख रुपये है. वहीं, भगवान गणेश जी के मुकुट का वजन करीब 200 ग्राम और कीमत लगभग 35 हजार रुपये आंकी गई है. इस तरह चोरी गए दोनों सामान की कुल अनुमानित कीमत करीब 15 लाख 35 हजार रुपये बताई जा रही है. मंदिर में चोरी की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची. घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए स्रस्फुकी टीम और डोंग स्क्वाॅड को भी बुलाया गया. जांच टीम यह पता लगाने में जुटी है कि चोर मंदिर में किस रास्ते से दाखिल हुए और वारदात के बाद किस दिशा में फरार हुए. पुलिस मंदिर में मौजूद परिस्थितियों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर चोरों की पहचान करने की कोशिश कर रही है. फिलहाल, इस मामले में किसी गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हुई है. मंदिर के अध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि चोर साई बाबा की चांदी की छतरी और भगवान गणेश जी का मुकुट चोरी कर ले गए हैं. छतरी का वजन करीब 10 किलोग्राम है और इसकी अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये बताई जा रही है. वहीं, गणेश जी के मुकुट का वजन करीब 200 ग्राम है, जिसकी कीमत लगभग 35 हजार रुपये है. फिलहाल, पुलिस की जांच इन सवालों के जवाब तलाश रही है. मंदिर से चांदी की छतरी और मुकुट चोरी करने वाले आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के साथ चोरी गए सामान की बरामदगी पुलिस के सामने चुनौती है. मोतिहारी में मंदिर को निशाना बनाकर हुई इस चोरी ने श्रद्धालुओं को हैरान कर दिया है. धार्मिक स्थल से कीमती चांदी के सामान की चोरी के बाद लोगों की नजर पुलिस की कार्रवाई पर टिकी है. अब सबसे बड़ा सवाल है कि मंदिर में चोरी करने वाले आरोपी कौन हैं. वे वारदात को अंजाम देकर किस रास्ते से फरार हुए और पुलिस चोरी गए सामान को कब तक बरामद कर पाती है. फिलहाल, मोतिहारी पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है.

अस्पताल से डिस्चार्ज हुए नीरज कुमार, एमएलसी चुनाव प्रचार थमने से पहले जदयू को बड़ी राहत

पटना, एजेंसी। बिहार की 8 सीटों पर हो रहे एमएलसी चुनाव में पटना स्नातक के एनडीए समर्थित जदयू उम्मीदवार नीरज कुमार को अस्पताल से आज छुट्टी दे दी गई है. नीरज कुमार दो दिन पहले अस्वस्थ होने के बाद अस्पताल में भर्ती हुए थे. अचानक चुनाव प्रचार के बीच में नीरज कुमार के अस्पताल पहुंचने पर बयान बाजी भी शुरू हो गई थी. विधान परिषद चुनाव के लिए आज शाम चुनाव प्रचार थमने से ठीक पहले जेडीयू और एनडीए खेमे के लिए यह एक बहुत बड़ी राहत भरी खबर है. दो दिन पहले अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के बाद अब वे पहले से काफी बेहतर महसूस कर रहे हैं. अस्पताल में इलाज के दौरान नीरज कुमार का हालचाल जानने के लिए मंगलवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी समेत एनडीए के कई वरिष्ठ नेता अस्पताल पहुंचे थे. हालांकि इस दौरान विपक्ष उनपर हमलावर था. मोकामा के जेडीयू विधायक अनंत सिंह भी नीरज को लेकर लगातार टिप्पणी कर रहे थे और बीमारी को ‘नाटक’ बता रहे थे.दरअसल, नीरज कुमार की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी जिसके बाद वह मेदांता पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उन्हें 24 घंटे की निगरानी में दृष्ट में भर्ती कर लिया. खबरों के मुताबिक 19 अक्टूबर की दोपहर सिवान जिले में पूजा के दौरान उन्हें माइनर कार्डियक अटैक आया था. बिहार में विधान परिषद की 8 सीटों पर चुनाव होना है, जिसमें पटना स्नातक सीट भी शामिल है. इस सीट पर 23 अक्टूबर 2026 को मतदान होना है. आज चुनाव प्रचार खत्म होने से ठीक पहले उनके स्वस्थ होकर लौटने से संपर्कों में भारी उत्साह है.

दस्तावेजों के बावजूद यमन में गिरफ्तार हुआ बिहार का राकेश, सांसद ने विदेश मंत्रालय से मांगी मदद

सीतामढ़ी, एजेंसी। बिहार के सीतामढ़ी के एक युवक की विदेश में गिरफ्तारी का मामला सामने आया है. वहीं जानकारी मिलने के बाद अब उसकी सुरक्षित स्वदेश वापसी को लेकर प्रयास शुरू हो गए हैं. दरअसल डुमरा प्रखंड के कुम्हरा बishनपुर वार्ड नंबर-14 निवासी राम विनोद सिंह के बेटे राकेश कुमार को यमन की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है.

बताया जा रहा है कि घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में डर का माहौल है. वहीं स्थानीय स्तर पर भी इस मामले को लेकर चिंता जताई जा रही है. राकेश की गिरफ्तारी किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे क्या कारण हैं, इसे लेकर विस्तृत जानकारी अब तक सामने नहीं आई है.

मिली जानकारी के अनुसार, राकेश के पास वैध पासपोर्ट और यात्रा से संबंधित दस्तावेज मौजूद थे. इसके बावजूद यमन की पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. इस घटनाक्रम ने परिवार के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं. परिवार की सबसे बड़ी चिंता राकेश की सुरक्षा और उनकी जल्द स्वदेश वापसी को लेकर है.

वहीं मामले की जानकारी सीतामढ़ी के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर तक पहुंचने के बाद उन्होंने इस दिशा में पहल की है. सांसद ने बताया कि उन्होंने मामले में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के स्टाफ से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी दी और राकेश को भारत वापस लाने की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया.

राकेश कुमार की गिरफ्तारी की जानकारी मिलने के बाद सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने विदेश मंत्रालय के स्तर पर मदद दिलाने की कोशिश शुरू की है. उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के स्टाफ से बात कर राकेश की स्वदेश वापसी के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की. उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही राकेश की भारत वापसी का रास्ता साफ होगा.

‘मैंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के स्टाफ से बात कर राकेश की स्वदेश वापसी के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की. मैंने स्टाफ को पूरी जानकारी लिखवा है, उम्मीद करता हूं कि जल्द ही राकेश की भारत वापसी का रास्ता साफ होगा. ‘- देवेश चंद्र ठाकुर, जेडीयू सांसद



दरअसल किसी भारतीय नागरिक की गिरफ्तारी होने पर संबंधित देश के स्थानीय कानूनों और यहां की प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत मामला आगे बढ़ता है. ऐसे मामलों में भारतीय दूतावास या संबंधित राजनयिक मिशन के माध्यम से नागरिक को जरूरी सहायता उपलब्ध कराने की कोशिश की जा सकती है.

राकेश के मामले में भी उनकी गिरफ्तारी के कारणों, कानूनी स्थिति और वापसी की प्रक्रिया से संबंधित आधिकारिक जानकारी सामने आना महत्वपूर्ण होगा. हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि राकेश को किस आरोप में गिरफ्तार किया गया है, वह यमन में किस उद्देश्य से गए थे और उनकी रिहाई या स्वदेश वापसी के लिए औपचारिक प्रक्रिया किस चरण में है.

राकेश की गिरफ्तारी के बाद उनके परिवार और गांव के लोगों की नजर अब उनकी सुरक्षित वापसी पर टिकी है. सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने बातचीत के दौरान राकेश की स्वदेश वापसी जल्द होने की उम्मीद जताई है. हालांकि, उनकी वापसी की निश्चित तारीख या यमन की पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई के संबंध में कोई आधिकारिक समयसीमा सामने नहीं आई है.

सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने बातचीत के दौरान सीतामढ़ी से जुड़े एक अन्य व्यक्ति का मामला भी उठाया. उन्होंने बताया कि मुंबई से लौटने के दौरान उक्त व्यक्ति की वापसी को लेकर उन्होंने महाराष्ट्र के पुलिस कमिश्नर से बातचीत की है.

सांसद के अनुसार, इस मामले में भी संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया गया है और जल्द वापसी की उम्मीद है.

दूसरे व्यक्ति की पहचान, मुंबई में उसके साथ हुई घटना और उसकी वापसी में आ रही परेशानी के बारे में भी कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है. दोनों मामलों में सांसद ने अधिकारियों से बातचीत कर मदद पहुंचाने का प्रयास किया है. एक मामला यमन में भारतीय नागरिक की गिरफ्तारी से जुड़ा है, जबकि दूसरा महाराष्ट्र से सीतामढ़ी लौटने के दौरान उत्पन्न हुई परेशानी से संबंधित बताया गया है.

सीतामढ़ी के राकेश कुमार की यमन में गिरफ्तारी का मामला अब उनकी सुरक्षित स्वदेश वापसी की कोशिशों से जुड़ गया है. सांसद देवेश चंद्र ठाकुर की ओर से विदेश मंत्री के स्टाफ से संपर्क किए जाने के बाद परिवार को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है. हालांकि सबसे अहम सवाल यह है कि राकेश को किन परिस्थितियों में गिरफ्तार किया गया और उनकी रिहाई या भारत वापसी की प्रक्रिया कब तक पूरी हो सकेगी.

भाई पर मारपीट का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, एजेंसी। मायके रह रही महिला ने अपने भाई पर मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मोहल्ला सुनगढ़ी निवासी दीपमाला ने बताया कि पिछले सात वर्षों से अपने मायके में रह रही है। आरोप है कि 19 अक्तूबर की शाम करीब साढ़े पांच बजे उसका भाई ललित वर्मा घर पर आया। मायके में रहने को लेकर विवाद करने लगा। विरोध पर भाई ने उसकी पिटाई कर दी। हाथ में पढ़ने कड़े से सिर वार कर दिया। इससे वह लहलुहान हो गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सीओ अमरनाथ वर्मा ने बताया कि जांच की जा रही है।

राजनगर, लालकुआं इलाके में दो घंटे बंद रहेगी बिजली आपूर्ति

गाजियाबाद , एजेंसी। कारोबार प्लान-2025-26 के अंतर्गत होने वाले कार्य की वजह से विद्युत उपकेंद्र राजनगर-1 और 2 व लालकुआं-1 उपकेंद्र से पोषित होने वाले इलाके में आज यानी 21 अक्तूबर को दिन में दो घंटे आपूर्ति बाधित रहेगी। इन इलाकों में करीब डेढ़ लाख की आबादी है। इनको दो घंटे तक बिना बिजली के रहना पड़ेगा। बिजली संबंधी कार्य समय से निपटाने के लिए ऊर्जा निगम की ओर से उपभोक्ताओं को पूर्व सूचना भेजी गई है। ऊर्जा निगम जोन एक के अधीक्षण अभियंता अमित कुमार सिंह ने बताया कि राजनगर फीडर एक के अंतर्गत होने वाले इलाके में दोपहर एक से तीन बजे, राजनगर दो फीडर से पोषित होने वाली लाइन 11 से एक बजे तक बंद रहेगी। इसके अलावा लालकुआं-1 से पोषित होने वाले एक फीडर को ढाई से साढ़े चार बजे तक और दूसरे फीडर को एक से तीन बजे तक बंद किया जाएगा। उपभोक्ताओं से अपील है कि वह व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए किए जा रहे इस कार्य में ऊर्जा निगम का सहयोग करें।

डांडिया उत्सव में झूमूं महिलाएं, दिखा उल्लास

अलीगढ़ , एजेंसी। नवरात्र के अंतिम दिन मंगलवार को शहर में डांडिया महोत्सव की धूम रही। सासनी गेट स्थित स्काई टावर में आयोजित डांडिया कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। रंग-बिरंगी रोशनी और संगीत के बीच डांडिया से माहौल उत्सवमय हो गया। कार्यक्रम में सेल्फी व्वाइंट आकर्षण का केंद्र रहा। आयोजन में प्रिंसी वर्षणेश, इशू आर्य, रजनी वाघोणिया, सर्वेश शर्मा, अंजना भौतिकी, वंदना माहेश्वरी, आकांक्षा जैन, गुंजन वर्षणेश, पूजा जैन, गुंजन शर्मा, नूतन यादव आदि का सहयोग रहा। अचलताल स्थित चिंताहरण देवी मंदिर में भी नवरात्र के अवसर पर डांडिया महोत्सव आयोजित किया गया। मंदिर की सेवादार शैलजा शर्मा के संयोजन में माता के भजन गाए गए। शाम को महिलाओं और युवतियों ने पारंपरिक वेशभूषा में डांडिया खेलकर उत्सव का आनंद लिया। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों और झालरों से सजाया गया था।

11वें दिन भी जारी रहा किसानों का धरना

अलीगढ़ , एजेंसी। किसानों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर यूनियन का ब्लॉक परिसर में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को 11वें दिन भी जारी रहा। किसानों ने शासन-प्रशासन के प्रति नाराजगी जताते हुए मांगों के समाधान की मांग की। धरने में दूर-दराज से पहुंचे किसानों और मजदूरों ने कहा कि लगातार आंदोलन के बावजूद उनकी समस्याओं का निस्तारण नहीं हुआ है। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने इस बार विजयदशमी नहीं मनाई। किसानों ने स्पष्ट किया कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

हाथरस के जुड़वा भाइयों की राजस्थान में गला रेतकर हत्या

23 हाथरस एजेंसी। सादाबाद के गांव सरौट मनसा के रहने वाले 13 वर्ष के दो जुड़वा भाइयों विनय और विष्णु चौधरी की राजस्थान के डींग जिले में मंगलवार सुबह बेरहमी से हत्या कर दी गई। दोनों पिछले कुछ वर्षों से मां के साथ डींग के बड़ेसरा गांव स्थित अपने ननिहाल में रह रहे थे। उनके निवास से कुछ दूरी पर खाली प्लॉट में दोनों के लहलुहान शव मिले। सिर में गंभीर चोट थी और गला रेता गया था। पुलिस एक सदिश को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

आकर्षक विद्युत झालरों से सजाया गया। हर किसी को राम-रावण युद्ध और दशानन के वध का इंतजार था। मंच पर लीला के संक्षिप्त मंचन के बाद मैदान में युद्ध का शंखनाद हुआ। एक ओर चमकते मुकुट में प्रभु श्रीराम और शेषनाग के मुकुट में लक्ष्मण रथ पर विराजमान थे तो दूसरी ओर काले वस्त्रों में सजा दशानन अपनी सेना के साथ युद्ध के लिए तैयार था। मैदान के चक्कर लगाते हुए दोनों सेनाएं मध्यवर्ती चबूतरे पर पहुंचीं, जहां दोनों के बीच घमासान युद्ध हुआ। दोनों ओर से बाणों की वर्षा होती रही। अंत में प्रभु राम के स्वरूप का तीर रावण की नाभि में लगते ही 120 फीट

120 फीट का रावण धू-धूकर जला, रामलीला मैदान में गूंजे जय श्रीराम; आतिशबाजी से जगमगाया आसमान

आगरा, एजेंसी। प्रभु श्रीराम के एक बाण से अहंकार के प्रतीक दशानन का अंत होते ही मंगलवार रात रामलीला मैदान श्री राम के जयकारों से गूंज उठा। विजय दशमी के पर्व पर भव्य आतिशबाजी और हर्षोल्लास के बीच 120 फीट ऊंचे रावण के पुतला दहन के साथ धर्म की विजय का पर्व भूमधाम से मनाया गया। हजारों श्रद्धालु इस दौरान अग्रधर्म पर धर्म की जीत के साक्षी बने। श्री रामलीला कमेटी की ओर से आयोजित रामलीला में मंगलवार शाम से बिजलीघर स्थित मैदान में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। मैदान के प्रवेश द्वार से लेकर पूरे परिसर को

आजम खां से रामपुर जेल मिलने जाएंगे अखिलेश यादव, विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा के लग रहे कयास

लखनऊ , एजेंसी। अखिलेश यादव 22 अक्तूबर को पूर्व मंत्री आजम खां से मिलने रामपुर जाएंगे। वह जेल में आजम से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों के बीच विधानसभा चुनाव और प्रदेश के सियासी हालात पर चर्चा होगी। बता दें कि इससे पहले अखिलेश ने बीते वर्ष अक्तूबर में आजम से रामपुर जाकर मुलाकात की थी।

आजम खां, उनके बेटे और तौकीर रजा की रिहाई की उठाई मांग : बीते दिनों रामपुर आए ओवैसी ने सपा नेता आजम खां, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और मौलाना तौकीर रजा की रिहाई का मुद्दा उठाया। उन्होंने अदालत से अपील की कि तीनों को जल्द रिहा किया जाए। ओवैसी ने जनसभा के मंच से उनकी रिहाई की मांग करते हुए इस मुद्दे को अपने संबोधन में प्रमुखता दी।

चुनाव आयोग ने भी स्वीकारा मतदाता सूची में गड़बड़ियां : सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मतदाता सूची के एसआईआर के बाद भी मतदाता सूची में

दिवाली पर घर जाना सस्ता, वापसी के लिए चुकाने होंगे भारी दाम, पहले से टिकट बुकिंग करा रहे हैं यात्री

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में दिवाली पर घर पहुंचने की जल्दबाजी के बीच हवाई किरायों में उतार-चढ़ाव शुरू हो गया है। छह नवंबर को धनतेरस, सात को छोटी दिवाली और आठ नवंबर को बड़ी दिवाली के महेनजर यात्री 15 दिन पहले से टिकट बुक करा रहे हैं। टिकटों की उपलब्धता घटने और किराया बढ़ने के कारण बुकिंग तेज हो गई है। दिवाली के आसपास कई उड़ानों की सीटें लगभग फुल हो रही हैं। कानपुर से दिल्ली का किराया छह, सात और आठ नवंबर को 5,184 से 5,499 रुपये रहेगा, जबकि नौ नवंबर को 6,129 और 10 नवंबर से अगले कुछ दिनों तक 12,114 रुपये हो जाएगा। दिल्ली से कानपुर का किराया छह से आठ नवंबर तक 12,437 रुपये है। कानपुर से मुंबई का किराया छह से नौ नवंबर तक 7,475 से 8,278 रुपये रहेगा। 10 नवंबर को यह 20,694 और एक नवंबर को 21,088 रुपये बताया गया है। मुंबई से कानपुर का किराया छह से आठ नवंबर तक 21,968 रुपये रहेगा। कानपुर से बंगलुरु का किराया छह से आठ नवंबर तक 9,177 से 9,446 रुपये और 10 नवंबर से 14,343 रुपये होगा। बंगलुरु से कानपुर का किराया छह नवंबर को 22,378, सात को 28,230 और आठ को 20,488 रुपये है। एयरपोर्ट अधिकारी डॉ. प्रदीप यादव के मुताबिक, त्योहार पर किराये में उतार-चढ़ाव होता है और यात्री पहले से बुकिंग करा रहे हैं। कानपुर से दिल्ली-मुंबई की उड़ानें रोजाना, जबकि बंगलुरु की उड़ानें सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और शनिवार को उपलब्ध हैं।

छर्छा और गमाना में निकाला पथ संचलन

अलीगढ़ , एजेंसी। छर्छा/ गभाना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस और विजयादशमी उत्सव पर मंगलवार को सरस्वती विद्या मंदिर में शस्त्र पूजन किया गया। इसके बाद नगर में पथ संचलन निकाला गया। मुख्य वक्ता जिला कार्यवाह डॉ. रामकरण ने संघ की 100 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा पर प्रकाश डाला।

इस दौरान विधायक रवेन्द्रपाल सिंह, राहुल पुंडीर, सचिन गर्ग, नाथुराम राजपूत, रघु प्रकाश गुप्ता, लालू महाजन, अभिनव माहेश्वरी, धीरेंद्र गुप्ता, गौरव गुप्ता, हिमांशु माहेश्वरी, मदनलाल और अजय मिश्रा मौजूद रहे।



ऊंचे पुतला जलने लगा। इससे पूर्व आतिशबाजों के बीच हुए मुकाबले में आतिशबाजी के एक से बढ़कर आतिशबाजी के करतब दिखाए। सुरील के अजय और पीलीभीत के शमशाद ने एक के

उत्तर प्रदेश

आजम खां से रामपुर जेल मिलने जाएंगे अखिलेश यादव, विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा के लग रहे कयास



गड़बड़ियां हैं। कई जगह एक-एक व्यक्ति के कई वोट हैं। चुनाव आयोग ने भी इन गड़बड़ियों को स्वीकार किया है। आयोग कह रहा है कि छोटी-मोटी गलती है, पर यह बहुत बड़ी गड़बड़ी है। वह सोमवार को गोमती नगर में पूर्व मंत्री विद्या चौधरी के आवास पर पहुंचकर उनका हालचाल जानने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है।

पीडीए प्रहरी से 24 को बृथ पर सक्रिय रहने का आह्वान : अखिलेश ने मतदाता सूची ठीक करने के लिए चल रहे विशेष अभियान में 24 अक्तूबर को भागीदारी का

आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि 24 अक्तूबर को सभी पीडीए प्रहरी मुस्तैद रहें और मतदाताओं की हरसंभव मदद करें। उन्होंने सोमवार को जारी बयान में कहा है कि ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अब तो विदेशी भी जाति के भेद से जन्म लेने वाले भेदभाव का आंखों देखा हाल बता रहे हैं। सच तो ये है कि पीडीए समाज का कोई भी व्यक्ति वो चाहे जेल के अंदर हो या बाहर जाति के नाम पर पीड़ा, दुख और अपमान उसे हमेशा ही भुगतना पड़ता है। जातिगत गैरबराबरी और असमानता को जड़ से समाप्त करने के लिए पीडीए सरकार का आना ही एकमात्र विकल्प है।

आजम खां, उनके बेटे और तौकीर रजा की रिहाई की उठाई मांग :

विजयदशमी पर मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने महानगर में 36 स्थानों से पथ संचलन निकाले। पूर्ण गणवेश में घोष की धुन पर कदमताल करते हुए आगे बढ़े स्वयंसेवकों ने अनुशासन की झलक दिखाई। स्वयंसेवकों का जगह-जगह स्वागत किया गया।

कई मार्गों पर पुष्पवर्षा हुई तो नौरंगाबाद में आरती उतारी गई। पथ संचलन की तैयारियां करीब एक महीने से चल रही थीं। मंगलवार सुबह लगभग 7-30 बजे अधिकांश स्थानों से संचलन शुरू हुए। शहर की गलियों से लेकर प्रमुख चौराहों तक स्वयंसेवक घोष की धुन के साथ कदमताल करते नजर आए। मार्गों पर बनाए गए तोरणद्वारों पर लोगों ने उनका स्वागत किया। नौरंगाबाद में माताओं ने स्वागत गीत गाए और स्वयंसेवकों पर फूल बरसाए। पूरे आयोजन में शताब्दी वर्ष को लेकर उत्साह

50 मीटर दायरे में ठेला-फड़ लगाने पर रोक, पुलिस की चेतावनी; नहीं माने तो होगी कार्रवाई

आगरा, एजेंसी। रामबाण चौराहे पर जाम की समस्या से निजात दिलाने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए मंगलवार को पुलिस ने सघन अभियान चलाया। इस दौरान चौराहे से चारों दिशाओं में 50 मीटर के दायरे में फड़, ठेला और ढकेल लगाने वाले वेंडर्स व दुकानदारों को अतिक्रमण नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई। एसीपी छत्ता श्वेता वर्मा ने बताया कि सीसी टीम प्रभारी कुलदीप सिंह ने टीम के मिलकर मौके पर

मौजूद वेंडर्स और दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि चौराहे की निर्धारित परिधि में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें। सड़क किनारे फड़ और ठेले लगाने से

यातायात बाधित होने तथा वाहनों के आवागमन में परेशानी होने की आशंका रहती है। इसे देखते हुए पुलिस ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्ती दिखाई। अकृतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हर नए करतब के साथ मैदान तालियों और उत्साह से गूंज उठा। इन्होंने प्रभु श्रीराम की आरती प्रभु श्रीराम की आरती करने वालों में रामलीला कमेटी के अध्यक्ष एवं विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवार, महामंत्री राजीव अग्रवाल, टीएन अग्रवाल, भगवान दास बंसल, विजय प्रकाश गोयल आदि रहे। मीडिया प्रभारी राहुल शौतम ने बताया कि बुधवार को गैम पांच बजे रामलीला मैदान में विभीषण के राज्याभिषेक की लीला का मंचन होगा। इसके बाद सीता जी को वापस लाने की लीला और प्रभु श्रीराम के अयोध्या प्रस्थान का प्रसंग होगा।

आजम खां, उनके बेटे और तौकीर रजा की रिहाई की उठाई मांग :

एशियन पैरा गेम्स में सिमरन शर्मा ने 200 मीटर में स्वर्ण जीता, घर में जश्न

गाजियाबाद , एजेंसी। जापान के आइची-नागोया में चल रहे एशियन पैरा गेम्स-2026 में स्वर्ण जीतने की खबर आते ही मोदीनगर में जश्न का माहौल बन गया। कृष्णाकुंज कालोनी में सिमरन शर्मा के घर बधाई देने वालों का तांता लग गया, परिवार ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई। तिबड़ा मार्ग स्थित कृष्णाकुंज निवासी पैरा एथलीट सिमरन ने महिलाओं की 200 मीटर टी-12 स्पर्धा के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 24.80 सेकंड में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ उन्होंने एशियन पैरा गेम्स का नया रिकॉर्ड बनाया। खास बात यह है कि ईरान की हाजर सफरजादेह के नाम भी इसी स्पर्धा में 24.80 सेकंड का रिकॉर्ड दर्ज था, जिसकी सिमरन ने बराबरी की।

सिमरन ने फाइनल में शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी और पहले स्थान पर रहीं। उनकी इस जीत से पूरे मोदीनगर में खुशी की लहर है। मां सविता, भाई आकाश और भाभी निशा ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। परिजनों ने बताया कि सिमरन लगातार कड़ी मेहनत कर रही हैं और उनका अगला लक्ष्य अमेरिका के लॉस एंजिल्स-2028 में होने वाले पैरालंपिक गेम्स में स्वर्ण जीतना है। सिमरन पेरिस पैरालंपिक-2024 में कांस्य और हांगझोउ एशियन पैरा गेम्स में रजत जीत चुकी हैं। इस बार स्वर्ण जीतकर उन्होंने नया मुकाम हासिल किया है। वहीं मुरादनगर के प्रदीप कुमार ने पुरुषों की भाला फेंक एफ54 श्रेणी में 27.45 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर रजत पदक जीता।

मुसल्लेपुर की आईडी से 100 से अधिक फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनने की आशंका

मुसल्लेपुर। तोफापुर ग्राम पंचायत की आईडी से 498 फर्जी जन्म प्रमाणपत्र जारी होने के बाद अब मंडी धनौरा ब्लॉक की मुसल्लेपुर ग्राम पंचायत की आईडी के दुरुपयोग की आशंका है। इस आईडी से आगरा के पते पर एक बच्चे का फर्जी जन्म प्रमाणपत्र जारी हो चुका है। पंचायत सचिव राजीव कुमार के मुताबिक, प्रमाणपत्र जारी होने की जानकारी लखनऊ स्थित स्वास्थ्य विभाग से मिली थी। आईडी हैक होने की आशंका के चलते इससे 100 से अधिक फर्जी प्रमाणपत्र बनाए जाने का अनुमान है।

के संस्कार विकसित करने पर जोर दिया जाता है। इस दौरान धीरज सिंह, रतन कुमार मित्र, राजनारायण सिंह, डॉ. सुनील चौहान, महानगर प्रचारक रामजी, प्रमोद भारद्वाज, आनंद कुमार, दयाल शर्मा, हिमांशु शर्मा, ललित कुमार आदि ने विचार रखे। घोष की धुनों की व्यवस्था प्रीतम सिंह, रोहित केला, दिनेश आचार्य, प्रणव उमाध्याय, दक्ष शर्मा और उमाशंकर सहित अन्य ने संभाली।

हाड़वे पर हादसा- हाड़वा की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, भाग रहे चालक को लोगों ने पकड़ा : सोनभद्र, एजेंसी। वाराणसी-शक्तिनगर राजमार्ग पर तेलगुड़वा चौराहे के पास मंगलवार देर शाम हाड़वा की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सीएचसी चोपन ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद भाग रहे हाड़वा को राहगीरों और पुलिस की मदद से पकड़

अग्निबाण लगते ही जला दशानन, हुई आतिशबाजी

अलीगढ़ , एजेंसी। अहंकार का अंत हुआ और आसमान आतिशबाजी की सतरंगी रोशनी से जगमगा उठा। नुमाइश मैदान में मंगलवार शाम जैसे ही प्रभु श्रीराम ने अग्निबाण चलाकर रावण का वध किया, पूरा नुमाइश मैदान जय श्रामदार आतिशबाजी ने लोगों का मन मोह लिया। युद्धभूमि में श्रीराम और रावण की सेनाएं आमने-सामने थीं। दोनों के बीच घमासान युद्ध हुआ। इसी दौरान विभीषण ने श्रीराम को रावण की नाभि में अमृत होने का रहस्य बताया। प्रभु श्रीराम ने प्रत्यंचा खींचकर अग्निबाण छोड़ा, जो सीधे रावण की नाभि में लगा। अमृत छलकते

कवर ड्राइव अकादमी ने भीकमपुर को हराकर फाइनल में बनाई जगह

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ अंडर-16 नॉकआउट क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कवर ड्राइव अकादमी ने भीकमपुर एस्टेट क्रिकेट अकादमी को 64 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। मंगलवार को अलीगढ़ स्पोर्ट्स एसोसिएशन के महुआखेड़ा स्थित मैदान पर खेले गए सेमीफाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए कवर ड्राइव अकादमी ने 36.3 ओवर में 184 रन बनाए। कवर ड्राइव के ऋषभ वीके ने 41 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 48 रन बनाए। शौर्य और ओकासा चौधरी ने 36-36 रन का योगदान दिया। भीकमपुर की ओर से कृष्ण ठाकुर और अनंत प्रकाश ने दो-दो विकेट लिए। अलीगढ़। सर सैयद

185 रन के लक्ष्य का पीछ करने उतरी भीकमपुर की टीम 26.3 ओवर में 120 रन पर सिमट गई। हर्षित राजपूत ने सर्वाधिक 36 रन और कसान मुदित कुमार ने 24 रन बनाए। कवर ड्राइव के अर्पित शर्मा व सोहराब बरकाती ने तीन-तीन विकेट लिए। अलीगढ़। सर सैयद

अहमद खान क्रिकेट सीरीज के आठवें मुकाबले में हमजाह क्रिकेट अकादमी ने द खान क्रिकेट क्लब को सात विकेट से हराकर जीत दर्ज की। अकादमी में रोहित ने चार विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब अपने नाम किया।



मेहनत कर रही हैं और उनका अगला लक्ष्य अमेरिका के लॉस एंजिल्स-2028 में होने वाले पैरालंपिक गेम्स में स्वर्ण जीतना है। सिमरन पेरिस पैरालंपिक-2024 में कांस्य और हांगझोउ एशियन पैरा गेम्स में रजत जीत चुकी हैं। इस बार स्वर्ण जीतकर उन्होंने नया मुकाम हासिल किया है। वहीं मुरादनगर के प्रदीप कुमार ने पुरुषों की भाला फेंक एफ54 श्रेणी में 27.45 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर रजत पदक जीता।

आजम खां, उनके बेटे और तौकीर रजा की रिहाई की उठाई मांग :

विजयदशमी पर मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने महानगर में 36 स्थानों से पथ संचलन निकाले। पूर्ण गणवेश में घोष की धुन पर कदमताल करते हुए आगे बढ़े स्वयंसेवकों ने अनुशासन की झलक दिखाई। स्वयंसेवकों का जगह-जगह स्वागत किया गया।

कई मार्गों पर पुष्पवर्षा हुई तो नौरंगाबाद में आरती उतारी गई। पथ संचलन की तैयारियां करीब एक महीने से चल रही थीं। मंगलवार सुबह लगभग 7-30 बजे अधिकांश स्थानों से संचलन शुरू हुए। शहर की गलियों से लेकर प्रमुख चौराहों तक स्वयंसेवक घोष की धुन के साथ कदमताल करते नजर आए। मार्गों पर बनाए गए तोरणद्वारों पर लोगों ने उनका स्वागत किया। नौरंगाबाद में माताओं ने स्वागत गीत गाए और स्वयंसेवकों पर फूल बरसाए। पूरे आयोजन में शताब्दी वर्ष को लेकर उत्साह

विजयदशमी पर मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने महानगर में 36 स्थानों से पथ संचलन निकाले। पूर्ण गणवेश में घोष की धुन पर कदमताल करते हुए आगे बढ़े स्वयंसेवकों ने अनुशासन की झलक दिखाई। स्वयंसेवकों का जगह-जगह स्वागत किया गया।

कई मार्गों पर पुष्पवर्षा हुई तो नौरंगाबाद में आरती उतारी गई। पथ संचलन की तैयारियां करीब एक महीने से चल रही थीं। मंगलवार सुबह लगभग 7-30 बजे अधिकांश स्थानों से संचलन शुरू हुए। शहर की गलियों से लेकर प्रमुख चौराहों तक स्वयंसेवक घोष की धुन के साथ कदमताल करते नजर आए। मार्गों पर बनाए गए तोरणद्वारों पर लोगों ने उनका स्वागत किया। नौरंगाबाद में माताओं ने स्वागत गीत गाए और स्वयंसेवकों पर फूल बरसाए। पूरे आयोजन में शताब्दी वर्ष को लेकर उत्साह

विजयदशमी पर मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने महानगर में 36 स्थानों से पथ संचलन निकाले। पूर्ण गणवेश में घोष की धुन पर कदमताल करते हुए आगे बढ़े स्वयंसेवकों ने अनुशासन की झलक दिखाई। स्वयंसेवकों का जगह-जगह स्वागत किया गया।

कई मार्गों पर पुष्पवर्षा हुई तो नौरंगाबाद में आरती उतारी गई। पथ संचलन की तैयारियां करीब एक महीने से चल रही थीं। मंगलवार सुबह लगभग 7-30 बजे अधिकांश स्थानों से संचलन शुरू हुए। शहर की गलियों से लेकर प्रमुख चौराहों तक स्वयंसेवक घोष की धुन के साथ कदमताल करते नजर आए। मार्गों पर बनाए गए तोरणद्वारों पर लोगों ने उनका स्वागत किया। नौरंगाबाद में माताओं ने स्वागत गीत गाए और स्वयंसेवकों पर फूल बरसाए। पूरे आयोजन में शताब्दी वर्ष को लेकर उत्साह

विजयदशमी पर मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने महानगर में 36 स्थानों से पथ संचलन निकाले। पूर्ण गणवेश में घोष की धुन पर कदमताल करते हुए आगे बढ़े स्वयंसेवकों ने अनुशासन की झलक दिखाई। स्वयंसेवकों का जगह-जगह स्वागत किया गया।

कई मार्गों पर पुष्पवर्षा हुई तो नौरंगाबाद में आरती उतारी गई। पथ संचलन की तैयारियां करीब एक महीने से चल रही थीं। मंगलवार सुबह लगभग 7-30 बजे अधिकांश स्थानों से संचलन शुरू हुए। शहर की गलियों से लेकर प्रमुख चौराहों तक स्वयंसेवक घोष की धुन के साथ कदमताल करते नजर आए। मार्गों पर बनाए गए तोरणद्वारों पर लोगों ने उनका स्वागत किया। नौरंगाबाद में माताओं ने स्वागत गीत गाए और स्वयंसेवकों पर फूल बरसाए। पूरे आयोजन में शताब्दी वर्ष को लेकर उत्साह

विजयदशमी पर मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने महानगर में 36 स्थानों से पथ संचलन निकाले। पूर्ण गणवेश में घोष की धुन पर कदमताल करते हुए आगे बढ़े स्वयंसेवकों ने अनुशासन की झलक दिखाई। स्वयंसेवकों का जगह-जगह स्वागत किया गया।

कई मार्गों पर पुष्पवर्षा हुई तो नौरंगाबाद में आरती उतारी गई। पथ संचलन की तैयारियां करीब एक महीने से चल रही थीं। मंगलवार सुबह लगभग 7-30 बजे अधिकांश स्थानों से संचलन शुरू हुए। शहर की गलियों से लेकर प्रमुख चौराहों तक स्वयंसेवक घोष की धुन के साथ कदमताल करते नजर आए। मार्गों पर बनाए गए तोरणद्वारों पर लोगों ने उनका स्वागत किया। नौरंगाबाद में माताओं ने स्वागत गीत गाए और स्वयंसेवकों पर फूल बरसाए। पूरे आयोजन में शताब्दी वर्ष को लेकर उत्साह

विजयदशमी पर मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने महानगर में 36 स्थानों से पथ संचलन निकाले। पूर्ण गणवेश में घोष की धुन पर कदमताल करते हुए आगे बढ़े स्वयंसेवकों ने अनुशासन की झलक दिखाई। स्वयंसेवकों का जगह-जगह स्वागत किया गया।

कई मार्गों पर पुष्पवर्षा हुई तो नौरंगाबाद में आरती उतारी गई। पथ संचलन की तैयारियां करीब एक महीने से चल रही थीं। मंगलवार सुबह लगभग 7-30 बजे अधिकांश स्थानों से संचलन शुरू हुए। शहर की गलियों से लेकर प्रमुख चौराहों तक स्वयंसेवक घोष की धुन के साथ कदमताल करते नजर आए। मार्गों पर बनाए गए तोरणद्वारों पर लोगों ने उनका स्वागत किया। नौरंगाबाद में माताओं ने स्वागत गीत गाए और स्वयंसेवकों पर फूल बरसाए। पूरे आयोजन में शताब्दी वर्ष को लेकर उत्साह

विजयदशमी पर मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने महानगर में 36 स्थानों से पथ संचलन निकाले। पूर्ण गणवेश में घोष की धुन पर कदमताल करते हुए आगे बढ़े स्वयंसेवकों ने अनुशासन की झलक दिखाई। स्वयंसेवकों का जगह-जगह स्वागत किया गया।

कई मार्गों पर पुष्पवर्षा हुई तो नौरंगाबाद में आरती उतारी गई। पथ संचलन की तैयारियां करीब एक महीने से चल रही थीं। मंगलवार सुबह लगभग 7-30 बजे अधिकांश स्थानों से संचलन शुरू हुए। शहर की गलियों से लेकर प्रमुख चौराहों तक स्वयंसेवक घोष की धुन के साथ कदमताल करते नजर आए। मार्गों पर बनाए गए तोरणद्वारों पर लोगों ने उनका स्वागत किया। नौरंगाबाद में माताओं ने स्वागत गीत गाए और स्वयंसेवकों पर फूल बरसाए। पूरे आयोजन में शताब्दी वर्ष को लेकर उत्साह

विजयदशमी पर मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने महानगर में 36 स्थानों से पथ संचलन निकाले। पूर्ण गणवेश में घोष की धुन पर कदमताल करते हुए आगे बढ़े स्वयंसेवकों ने अनुशासन की झलक दिखाई। स्वयंसेवकों का जगह-जगह स्वागत किया गया।

कई मार्गों पर पुष्पवर्षा हुई तो नौरंगाबाद में आरती उतारी गई। पथ संचलन की तैयारियां करीब एक महीने से चल रही थीं। मंगलवार सुबह लगभग 7-30 बजे अधिकांश स्थानों से संचलन शुरू हुए। शहर की गलियों से लेकर प्रमुख चौराहों तक स्वयंसेवक घोष की धुन के साथ कदमताल करते नजर आए। मार्गों पर बनाए गए तोरणद्वारों पर लोगों ने उनका स्वागत किया। नौरंगाबाद में माताओं ने स्वागत गीत गाए और स्वयंसेवकों पर फूल बरसाए। पूरे आयोजन में शताब्दी वर्ष को लेकर उत्साह

विजयदशमी पर मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने महानगर में 36 स्थानों से पथ संचलन निकाले। पूर्ण गणवेश में घोष की धुन पर कदमताल करते हुए आगे बढ़े स्वयंसेवकों ने अनुशासन की झलक दिखाई। स्वयंसेवकों का जगह-जगह स्वागत किया गया।

कई मार्गों पर पुष्पवर्षा हुई तो नौरंगाबाद में आरती उतारी गई। पथ संचलन की तैयारियां करीब एक महीने से चल रही थीं। मंगलवार सुबह लगभग 7-30 बजे अधिकांश स्थानों से संचलन शुरू हुए। शहर की गलियों से लेकर प्रमुख चौराहों तक स्वयंसेवक घोष की धुन के साथ कदमताल करते नजर आए। मार्गों पर बनाए गए तोरणद्वारों पर लोगों ने उनका स्वागत किया। नौरंगाबाद में माताओं ने स्वागत गीत गाए और स्वयंसेवकों पर फूल बरसाए। पूरे आयोजन में शताब्दी वर्ष को लेकर उत्साह

विजयदशमी पर मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने महानगर में 36 स्थानों से पथ संचलन निकाले। पूर्ण गणवेश में घोष की धुन पर कदमताल करते हुए आगे बढ़े स्वयंसेवकों ने अनुशासन की झलक दिखाई। स्वयंसेवकों

संक्षिप्त

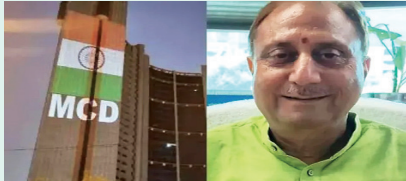
समाचार

एमसीडी का बड़ा फैसला: 120 करोड़ का बजट पास, दिल्ली के इन 3 अस्पतालों में सस्ती होगी सीटी स्कैन-एमआरआई की जांच



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के तीन प्रमुख अस्पतालों में सीटी स्कैन और एमआरआई जांच की दरें केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (सीजीएमएस) की निर्धारित दरों से 20 प्रतिशत कम होंगी। एमसीडी की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने इस परियोजना को मंजूरी दे दी है। इसके तहत हिंदूराव अस्पताल, स्वामी दयानंद अस्पताल और राजन बाबू इंस्टीट्यूट ऑफ पल्मोनरी मेडिसिन एंड ट्यूबरकुलोसिस (आरबीटीबी) में अत्याधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सत्या शर्मा ने कहा कि निगम का उद्देश्य आम नागरिकों, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को फिफायती दरों पर आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इन अस्पतालों में सीटी स्कैन और एमआरआई सेवाओं का विस्तार होने से मरीजों को कम खर्च में आवश्यक जांच कराने की सुविधा मिलेगी। 120 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान उन्होंने बताया कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत लागू किया जाएगा। दस वर्ष की रियायत अवधि में इस पर लगभग 120 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसमें करीब 40 करोड़ रुपये मशीनों की स्थापना और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर पुंजीगत निवेश के रूप में खर्च होंगे, जबकि लगभग 80 करोड़ रुपये परिचालन खर्च के लिए निर्धारित हैं। पूरी राशि अनुबंधित निजी एजेंसी वहन करेगी। एमसीडी की ओर से निर्धारित स्थान उपलब्ध कराए जाएंगे, जबकि उनका स्वामित्व निगम के पास ही रहेगा। स्थायी समिति अध्यक्ष ने बताया एमसीडी नागरिकों को बेहतर, आधुनिक और फिफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस परियोजना से मरीजों को कम कीमत पर आधुनिक जांच सुविधाएं मिलेंगी और निगम के स्वास्थ्य सेवा ढांचे को मजबूती मिलेगी।

दिल्ली में छठे मेयर चुनाव को मंजूरी, अप्रैल 2027 में चुनाव जाएगा; क्या वाही को फिर मौका मिलेगा



नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ष 2023 से शुरू हुए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पाषांदों के पांच वर्ष के कार्यकाल में पांच की बजाय छठे महापौर चुनाव को लेकर चल रही ऊहापोह खत्म हो गई है। एमसीडी के विधि विभाग ने इसको लेकर निगम को हरी झंडी दे दी है। यानी अब अप्रैल 2027 में महापौर व उपमहापौर के चुनने की प्रक्रिया होगी। इसके बाद वार्ड समिति से लेकर स्थायी समिति और अन्य समितियों के चुनाव हो सकेंगे। साथ ही निगम के आम चुनाव अब दिसंबर 2027 से लेकर जनवरी 2028 के बीच होने की संभावना है। अप्रैल 2027 में होगा छठे महापौर का चुनाव दरअसल, अप्रैल 2026 में प्रवेश वाही के तौर पर पांचवें महापौर का चुनाव हो चुका है। निगम का कार्यकाल फरवरी 2028 तक है। ऐसे में पांच वर्षीय निगम के इस कार्यकाल में छठे महापौर के चुनाव को लेकर निगम सचिव कार्यालय में ऊहापोह की स्थिति में था। क्योंकि निगम के सामने यह भी चुनौती थी कि वह छठे महापौर का चुनाव कराए या नहीं। क्योंकि पूर्व में अभी तक ऐसी स्थिति नहीं आई है कि पंचवर्षीय कार्यकाल में बिना किसी महापौर के इस्तीफे के छठे महापौर का चुनाव कराया जाए। इसलिए निगम ने विधि विभाग से इसको लेकर राय मांगी थी। सुत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि विधि विभाग ने अगले महापौर का चुनाव कराने और गैर आरक्षित श्रेणी से इसे कराने की हरी झंडी दे दी है। इसके बाद अब निगम 2027 में महापौर और उपमहापौर का चुनाव करा सकेगा। कोई भी पाषांद चाहे महिला हो या फिर पुरुष या अनुसूचित जाति का हो, वह नामांकन कर सकेगा। पूर्वकालिक तीनों निगम के एकीकरण के बाद एमसीडी का आम चुनाव दिसंबर 2022 में हुआ था। इसमें आम आदमी पार्टी (आप) ने पूर्ण बहुमत प्राप्त करते हुए सरकार बनाई थी।

दुकानों पर मिलने वाली मिठाइयां कितनी सुरक्षित? खाद्य सुरक्षा विभाग के छापे में खुली पोल, सच्चाई चौंकने वाली

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहार पर मिठाई खरीदने वाले लोग भरोसा करते हैं कि दुकानों पर बिकने वाली मिठाइयां सुरक्षित होंगी। लेकिन, मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में खाद्य सुरक्षा विभाग के छापों में दुकानों की सफाई और खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण में गंभीर लापरवाही मिली है।

कहीं मिठाइयों के भंडारण में कीड़े-मकोड़ों मिले, तो कहीं भारी गंदगी के साथ खुले कुड़ेदान, गंदे उपकरण, गंदे हाथों से बनाई जा रही मिठाई और कर्मचारियों के कपड़े रखे मिले। कुछ प्रतिष्ठानों पर पानी और खाद्य उत्पादों की जांच रिपोर्ट ही उपलब्ध नहीं थी।

आखिर क्यों नहीं हो रहा सुधार: ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि छापों-जांच नमूनों के बावजूद सुधार क्यों नहीं हो रहा। जवाब है, नियम तोड़ने वालों पर प्रभावी कार्रवाई का अभाव। बड़ी बात यह कि विभाग जब छापेमारी



की कार्रवाई करता है, तो उसका जोर-शोर से प्रचार करता भी है। लेकिन, उन्हीं मामलों में अंतिम कार्रवाई क्या हुई इसे वह उसी अंदाज में कभी सार्वजनिक नहीं करता, जबकि जांच के साथ मामलों के निपटारे, दोषियों पर कार्रवाई और

लाइसेंस रद्द करने से जुड़े नतीजों की जानकारी प्राप्त करना जनता का अधिकार है।

छापों में खुली पोल, कई प्रतिष्ठानों से नमूने: ओखला फेज-दो स्थित एवरग्रीन स्वीट हाउस के भंडारण क्षेत्र में बहुतायत में कीड़े-मकोड़े घूमते मिले और कर्मचारी बिना दस्तानों और उचित सफाई के खाद्य सामग्री संभालते मिले। पानी व खाद्य सामग्री की जांच रिपोर्ट भी मौके पर नहीं मिली। विभाग ने यहां से बूंदी दाना और खोया के नमूने लिए। कालीघटा स्वीट्स, भिकाराम चंदमल, अमन मिठाईवाला, ग़्रोवर स्वीट कार्नर, मेठी फूड्स और सिंगला स्वीट्स समेत कई प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, भंडारण और कीड़े-मकोड़ों से बचाव के इंतजामों में गंभीर कमियां मिलीं। कई स्थानों पर खाद्य सुरक्षा लाइसेंस प्रदर्शित नहीं था और पैकिंग व कर्मचारियों के प्रशिक्षण से जुड़े दस्तावेज भी अधूरे थे।

दिल्ली सरकार की नई योजना: युवाओं को बेकरी से मेकअप आर्टिस्ट तक की मिलेगी ट्रेनिंग; 1.15 करोड़ का टेंडर जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में करीगरों को बेकरी, हेयर स्टाइलिंग और मेकअप का प्रशिक्षण दिल्ली सरकार देगी। दिल्ली खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड ने दिल्ली खादी कौशल विकास योजना के तहत करीगरों को प्रशिक्षण देने के लिए 1.15 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है। इसके तहत बेकरी, हेयर स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट जैसे तीन क्षेत्रों में प्रशिक्षण देने वाली एजेंसियों का चयन किया जाएगा। इच्छुक एजेंसियां 10 नवंबर को दोपहर दो बजे तक ऑनलाइन बोली जमा कर सकेंगी।

विभिन्न पात्र संस्थाओं को आवेदन का अवसर: टेंडर में सोसायटी, एनजीओ, ट्रस्ट, साझेदारी फर्म, निजी और सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों, सरकारी संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों, विश्वविद्यालयों तथा मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थानों सहित विभिन्न पात्र संस्थाओं को आवेदन करने का अवसर दिया गया है।

मुश्किल में सोशल मीडिया स्टार्स कैसे वायरल होने की शोहरत इन्फ्लुएंसर्स को कानूनी पचड़ों में ले आई

नई दिल्ली, एजेंसी। आज की दुनिया में मोबाइल हर किसी की जरूरत बन गया है। इस मोबाइल ने कई लोगों को शोहरत के मुकाम तक पहुंचा दिया, तो वहीं किसी को शोहरत पाने के लिए गलत काम करने के रास्ते पर धकेल दिया। कुछ ऐसे ही यूट्यूबर्स की कहानी जो शोहरत के बाद कानून के चंगुल में फंस गए। हाल के दिनों में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे शहरों से कई ऐसे लोगों की गिरफ्तारियां सामने आई हैं जो एक तरह का ट्रेंड दिखाती हैं। कई ऐसे यूट्यूबर्स हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में काफी शोहरत और बुलदियां सोशल मीडिया के जरिए हासिल कर लीं, मगर बाद में वो अपने किए गलत काम की वजह से कानून के जाल में फंस गए। इन नामों की लिस्ट काफी लंबी है आइए जानते हैं इनमें से कुछ की कहानी। कहानी सलीम वास्तिक की- पहले क्राइम फिर बचने के लिए यूट्यूबर बना: सबसे पहले बात दिल्ली-एनसीआर के यूट्यूबर सलीम वास्तिक की। सीमेंट व्यवसायी का बेटा संदीप स्कूल जाते वक़्त घर से तो निकला लेकिन स्कूल नहीं पहुंच पाया। रास्ते से लापता हो गया। हादसे के ठीक अगले दिन पिता को फिरोज़ी के लिए कॉल आई। इस केस में 30 हजार की फिरोज़ी की मांग की गई थी। पुलिस को पड़ोसियों से मिली जानकारी के अनुसार सलीम खान पर शक हुआ। सलीम स्कूल में मार्शल आर्ट्स का इंस्ट्रक्टर था। पुलिस की सख्त पूछताछ में खान ने जुर्म कबूल कर लिया। मुस्ताफाबाद से लड़के का शव बरामद हुआ। कोर्ट ने उसे और उसके साथी दोनों को उम्रकैद की सजा सुनाई। कोर्ट से जमानत पाने के बाद फूरे हो गया और गाजियाबाद के लोनी में यूट्यूबर बन कर सलीम वास्तिक के नाम से अपना धंधा चलाने लगा। लंबे समय के बाद पुलिस की पकड़ में आने के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ।



संबंधित संस्थानों के पास निर्धारित क्षेत्र में प्रशिक्षण देने के लिए आवश्यक संबद्धता या मान्यता होनी चाहिए। निविदा दस्तावेज दिल्ली सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल और दिल्ली खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में हथियार पहुंचाने वाली दो युवतियां भी गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस के हथियार चढ़े चार

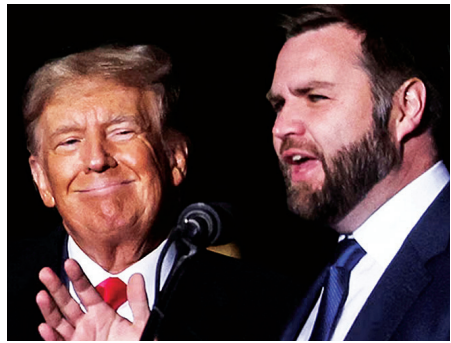


नई दिल्ली, एजेंसी। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग से जुड़े मामले में शामिल चार आरोपितों को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। चारों को अदालत में पेश कर मुंबई पुलिस को ट्रांजिट रिमांड पर सौंप दिया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम कुणाल ,रोहना, सोनीपत, सुमित ,सोनीपत, राधा, नहवैया, सितापुर, यूपी और बबीता, आजमगढ़ है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक हाल ही में जेल से जमानत पर छूटे कुणाल की पहचान हरसाणा गांव के एक दोस्त के जरिए अनिल पंडित से हुई थी, जिसके बाद दोनों एनक्रिप्टेड एप के जरिए बात करने लग थे। अनिल पंडित के निर्देश पर कुणाल ने सुमित के साथ मिलकर अमृतसर से एक पिस्टल और 20 कारतूस एकत्र किए थे। दो महीने पहले कुणाल की मुलाकात राधा से हुई। उसने अपनी गतिविधियों के बारे में बताकर उससे संबंध बनाए और उसे हथियार के साथ मुंबई जाने के लिए राजी किया। 15 अक्टूबर को कुणाल, राधा और बबीता को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन लेकर पहुंचा। पिस्टल राधा के बैग में थी।

धोखाधड़ी की जानकारी देने पर मिलेगा इनाम, ट्रंप का बड़ा एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मंगलवार को 25 मिलियन डॉलर (लगभग 236.91 करोड़ भारतीय रुपये) के एक कार्यक्रम की घोषणा की। इसका उद्देश्य अमेरिकी सरकार में होने वाली संभावित धोखाधड़ी के बारे में आम लोगों को जानकारी देने (व्हिसलब्लोइंग) के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके जरिए वे संघीय कार्यक्रमों और सरकारी धन के दुरुपयोग को रोकने के अपने प्रयासों को तेज कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि 'फ्रॉड व्हिसलब्लोअर इंसेंटिव प्रोग्राम' (डब्ल्यूएचआईपी) के तहत, यदि कोई व्यक्ति पर ऐसी जानकारी देता है जिससे धोखाधड़ी के मामले में दोषसिद्धि होती है या कोई बड़ी संघीय कार्रवाई की जाती है, तो वह व्यक्ति 30,000 डॉलर ((28 लाख भारतीय रुपये से ज्यादा) तक की राशि पाने का हकदार होगा। इस कार्यक्रम का संचालन न्याय विभाग करेगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या कहा: इस घोषणा के दौरान, ट्रंप ने कहा कि दी जाने वाली राशि, पकड़ी गई धोखाधड़ी की कुल रकम का 1 प्रतिशत कमीशन होगी। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर किसी मामले में एक से अधिक लोग जानकारी देने का दावा करते हैं,



तो किसे इनाम की राशि मिलेगी, इसका फैसला वे खुद करेंगे। मंगलवार को ओवल ऑफिस में वेंस और प्रशासन के अन्य अधिकारियों के साथ मौजूद ट्रंप ने कहा, 'इन सभी फैसलों में अंतिम निर्णय मेरा होगा। यह एक बायोलाॅजिकल फैसला (बायोलॉजि आर्बिट्रेशन) होगा।' ट्रंप ने कहा कि पत्रकार भी इस कार्यक्रम में हिस्सा ले सकते हैं। रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने सरकार में हो रही धोखाधड़ी को खत्म करने के लिए एक आक्रामक अभियान शुरू किया है। इसके लिए मार्च में एक टास्क फोर्स का गठन किया गया था, जिसकी जिम्मेदारी वेंस को सौंपी गई है।

आलोचकों ने क्या आरोप लगाया

वहीं, आलोचकों ने ट्रंप और उनके परिवार पर आरोप लगाया है कि उन्होंने राष्ट्रपति पद का इस्तेमाल अपने कई व्यावसायिक उपक्रमों से मुनाफा कमाने के लिए किया है। इसके जवाब में व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रंप जो कुछ भी करते हैं, वह केवल अमेरिकी जनता के सर्वोत्तम हितों का ध्यान में रखकर करते हैं। वेंस (जिन्होंने टास्क फोर्स का नेतृत्व करने के अपने काम को मजेदार बताया) ने कहा कि करदाताओं का पैसा (टैक्स डॉलर) चुराया जा रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'राष्ट्रपति ने कहा है कि इसे रुकना चाहिए और यह रुक भी रहा है। अगर आप इसे रोकने में हमारी मदद करना चाहते हैं, तो आपको भी इनाम का हिस्सा मिलेगा।' इस कार्यक्रम के दौरान, ट्रंप द्वारा निक शर्ली को 10,000 अमेरिकी डॉलर (नौ लाख भारतीय रुपए से ज्यादा) का चेक दिए जाने की उम्मीद थी। शर्ली एक दक्षिणपंथी इन्फ्लुएंसर हैं, जिन्होंने पिछले साल एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें दावा किया गया था कि मिनेसोटा के सोमाली समुदाय के कुछ लोग संघीय सल्लिडी (सरकारी मदद) हासिल करने के लिए फर्जी चाइल्डकेयर सेंटर चला रहे हैं।

कैंसर के इलाज में बड़ा कदम: चेहरे की फोटो से तय होगी कैंसर मरीज की रिकवरी, 4 करोड़ फोटो से ट्रेन हुआ एआई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा फाउंडेशन एआई मॉडल तैयार किया है जो किसी व्यक्ति की सामान्य चेहरे की सेल्फी का विश्लेषण करके उसकी बायोलॉजिकल उम्र और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों में उसके जीवित रहने की संभावना का अनुमान लगा सकता है। इस एआई सिस्टम को मैसाचुसेट्स के एक गैर-लाभकारी, एकीकृत शैक्षणिक स्वास्थ्य सेवा संस्थान मैस जनरल ब्रिघम के विशेषज्ञों ने तैयार किया है। इसका उद्देश्य मरीजों की बायोलॉजिकल उम्र का पता लगाना और कैंसर से पीड़ित मरीजों के जीवित रहने की संभावनाओं का सीधा अनुमान लगाना है।

यह अब तक के सबसे व्यापक उदाहरणों में से एक है कि कैसे किसी व्यक्ति की सेल्फी का एआई विश्लेषण करके उनके स्वास्थ्य का आकलन किया जा सकता है और उनके इलाज में मदद मिल सकती है। इस सिस्टम को अलग-



अलग जातीय समूहों और उम्र के लोगों की 4 करोड़ (40 मिलियन) से अधिक तस्वीरों के डेटा पर प्रशिक्षित किया गया है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का विवरण लैंसेट डिजिटल हेल्थ जर्नल में प्रकाशित किया गया है। इस मॉडल पर किए गए एक अध्ययन के नतीजों के अनुसार, यह सिस्टम किसी व्यक्ति

की बायोलॉजिकल उम्र का अनुमान लगा सकता है- यानी वह व्यक्ति अपनी वास्तविक उम्र के बजाय दिखने में कितना बड़ा या छोटा लगता है। साथ ही, यह कैंसर के मरीजों के चेहरे की एक सामान्य तस्वीर देखकर उनके जीवित रहने की संभावना का भी अनुमान लगा सकता है। डॉक्टरों ने इस तकनीक का उपयोग करके दो

पूरक टूल विकसित किए हैं। फाह फेसएज मरीज की बायोलॉजिकल उम्र का अनुमान लगाता है और कैंसर के मामले में जीवित रहने की संभावना बताता है। वहीं, फाह फेस सीधे चेहरे की तस्वीर से जीवित रहने की संभावना का अनुमान लगाता है, न कि बायोलॉजिकल उम्र के जरिए।

हालांकि फाह फेसएज और फाह फेस दोनों एक ही मॉडल से तैयार किए गए हैं, लेकिन ये मरीज के स्वास्थ्य के बारे में अलग-अलग और एक-दूसरे के पूरक प्रकार की जानकारी देते हैं। उम्र और मृत्यु के जोखिम का अनुमान लगाने के लिए, दोनों एल्गोरिदम चेहरे के अलग-अलग हिस्सों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। फाह फेसएज नाक के किनारों से लेकर मुंह के कोनों तक बनने वाली रेखाओं, आंखों के ठीक ऊपर माथे के हिस्से और कनपटी वाले क्षेत्र पर ध्यान देता है। दूसरी ओर, फाह फेस आंखों के नीचे और नाक के पुल के आसपास के हिस्से का

विश्लेषण करता है। चेहरे के स्वास्थ्य की पहचान करने वाले एआई के क्षेत्र को एक कदम और आगे ले जाता है। यह कैंसर के मरीजों के चेहरे की तस्वीरों से सीधे तौर पर उनके जीवित रहने के जोखिम का पता लगाता है। हमारी जानकारी के अनुसार, यह पहला ऐसा उदाहरण है जिसमें एक एआई मॉडल किसी व्यक्ति की साधारण तस्वीर से सीधे तौर पर कैंसर के मामले में उनके जीवित रहने की संभावना का अनुमान लगा सकता है। अमेरिका में रेडियोथेरेपी से इलाज कराने वाले कैंसर रोगियों में, फाह फेसएज के अनुसार जो लोग अपनी वास्तविक उम्र से पांच साल या उससे अधिक बड़े दिखते थे, उनमें चार साल के औसत फॉलो-अप के दौरान बाकी समूह की तुलना में मरने का जोखिम 21 प्रतिशत अधिक था। वहीं, जो मरीज पांच साल या उससे अधिक छोटे दिखते थे, उनमें यह जोखिम 17 प्रतिशत कम था। एर्द्स ने कहा, इसकी मुख्य तकनीकी खूबी

यह है कि फाह फेस 40 मिलियन से अधिक तस्वीरों से चेहरे की एक सामान्य समझ विकसित करता है। इसके बाद, इसे जैविक उम्र और जीवित रहने की संभावना जैसे स्वास्थ्य परिणामों के आधार पर ढाला जा सकता है। यह फाउंडेशन-मॉडल दृष्टिकोण हमें हर मॉडल को शुरू से तैयार करने के बजाय, चेहरे से जुड़े कई स्वास्थ्य बायोमार्कर विकसित करने का एक बेहतर और विस्तार योग्य तरीका देता है। अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि लोगों की जैविक उम्र का अनुमान उनके शारीरिक स्वास्थ्य से गहराई से जुड़ा है। इससे यह पता चल सकता है कि कोई व्यक्ति कुछ खास तरह के इलाज को सहने और जीवित रहने में कितना सक्षम है। यह एक बड़ी उपलब्धि है, जो एआई आधारित चेहरे के विश्लेषण का रास्ता खोल सकती है। इससे डॉक्टरों को अपने मरीजों के इलाज के लिए सस्ते सही तरीका चुनने जैसे कठिन फैसले लेने में मदद मिल सकती है।

संपादकीय

सुको के फैसले से मतांतरण पर कुछ तो रोक लगेगी

देश में अवैध मतांतरण एक ऐसी समस्या है जिस पर रोक लगाने की जरूरत है लेकिन राज्य व केंद्र सरकारों के तमाम प्रयासों के बाद भी इस पर पूरी तरह से रोक नहीं लग सकी है।कई तरह के कानून बनाए गए,गांवों में कई तरह की रोक लगाई गई लेकिन अवैध मतांतरण पहले भी होता रहा है और आगे भी होता रहेगा।इसका मकसद होता है कि धर्म विशेष के लोगों की संख्या कर अपने धर्म के लोगो की संख्या बढ़ाई जाए ताकि बाद मे संख्या के बल पर राजनीति को प्रभावित कर सता पर कब्जा किया जा सके। हमारा देश सेकुलर है,यहां सभी को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता है,साथ ही यदि कोई स्वेच्छ से दूसरा धर्म अपनाना चाहता है तो उसके लिए वैध प्रक्रिया है,उस वैध प्रक्रिया के जरित वह अपना धर्म बदल सकता है।समस्या यह है वैध रूप से तो बहुत ही

कम लोग अपना धर्म परिवर्तन करते हैं लेकिन अवैध रूप से सबसे ज्यादा धर्म परिवर्तन कराया जाता है। इस पर रोक लगाने की जरूरत है। हाल ही में मतांतरण पर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है, उससे उम्मीद की जा सकती है कि मतांतरण पर कुछ तो रोक लगेगी। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में मतांतरण के बाद आरक्षण का लाभ लेने के मुद्दे पर एक अहम फैसला देते हुप कहा है कि हिंदू सामाजिक व्यवस्था से किसी गैर हिंदू सामाजिक व्यवस्था में मतांतरण करने वाला व्यक्ति अपने पुराने सामाजिक पिछड़पन के आधार पर संविधान के अनुच्छेद 16(4) के तहत आरक्षण का दावा नहीं कर सकता।सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि इस्लाम स्वीकार कर लेने मात्र से कोई व्यक्ति राज्य के अधिस्चुचित मुस्लिम पिछड़ा वर्ग समुदायों



में से किसी एक का सदस्य नहीं बन जाता।सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि मतांतरण से पहले की जाति या सामुदायिक पहचान को अपने आप किसी दूसरे धर्म के पिछड़ा वर्ग में स्थानांतरित नहीं किया जा सकता। हिंदू,सिख व बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को मानने वाले व्यक्ति

को अनुसूचित जाति(एससी) का सदस्य नहीं माना जा सकता।।

यह अच्छा हुआ है कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले से अब हमेशा के लिए साफ कर दिया है कि यदि अनुसूचित जाति या अन्य पिछड़ा वर्ग का व्यक्ति मतांतरण कर लेता है यानी धर्म बदल लेता है तो फिर वह अनुसूचित जाति या अन्य पिछड़ा वर्ग का होने के कारण उसको जो आरक्षण का लाभ मिल रहा था वह अब नहीं मिलेगा क्योंकि वह अब धर्म बदलने के कारण अनुसूचित जाती या अन्य पिछड़ा वर्ग का नहीं रहा।ऐसा निर्णय पहले मद्रास हाईकोर्ट ने दिया था जिसे तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। क्योंकि वह इस नियम को बनाए रखना चाहती थी कि यदि कोई अनुसूचित जाति या ओबीसी मतांतरण कर लेता है तो उसे आरक्षण का लाभ मतांतरण के बाद

भी मिलता रहेगा। यानी कोई इस्लाम या ईसाई धर्म अपना लेता है तो भी उसे अनुसूचित जाति व क्योंकि मतांतरण के बाद मतांतरण करने वालों को नुकसान हो रहा था साथ ही मतांतरण के बल भी मिल रहा था।

तमिलनाडु सरकार ने जैसा नियम बना रखा था उससे से मतांतरण को बढ़ावा मिल रहा था क्योंकि मतांतरण के बाद मतांतरण करने वालों को आरक्षण का लाभ पहले जैसा मिलता था,वैसा मिलता था।इससे एससी व ओबीसी के अधिकार को नुकसान हो रहा था। यानी जो लोग मतांतरण के बाद एससी या ओबीसी नहीं रहे उनको भी एससी व ओबीसी को मिलने वाले आरक्षण का लाभ मिल रहा था।इस दोहरे लाभ के लिए अवैध मतांतरण को बल मिल रहा था क्योंकि कोई

स्वेच्छ से नहीं मतांतरण के कारण मिलने वाले लाभ व मतांतरण के बाद मिलने वाले लाभ के ही ज्यादा मतांतरण हो रहा था। कड़वी सच्चाई यह भी है कि हिंदू धर्म को मानने वाले किसी लोभ व लालच के कारण मतांतरण तो कर लेते हैं लेकिन मतांतरण के नए र्थ में भी उनको जातिगत भेदभाव का शिकार होना पड़ता है।यही वजह है कि दलित इसाइयों व दलित मुसलमानों के संगठन बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कि अब अनुसूचित जाति व ओबीसी के लोग मतांतरण करते हैं तो उनको अजा व ओबीसी में रहते आरक्षण का लाभ जो मिलता था अब मतांतरित हो जाने के बाद नहीं मिलेगा तो होगा यह कि अब जो लोग दोहरे लाभ के कारण मतांतरण करते थे वह अब दोहरा लाभ नहीं मिलने के कारण मतांतरण नहीं करेंगे।

आतंकी कार्रवाई को किसी भी तरीके से जायज नहीं ठहराया जा सकता

तजाकिस्तान की राजधानी दुशांबे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जो कुछ कहा, वह दुनिया के उन तमाम देशों को आईना दिखाने वाला है, जो दहशतगर्दी के मुद्दे पर मौकापरस्त रुख अखियार करते रहे हैं। भारतीय रक्षा मंत्री ने दोटूक कहा कि आतंकी कार्रवाई को किसी भी तरीके से जायज नहीं ठहराया जा सकता और दोहरे रवैये के साथ इसका प्रभावी मुकाबला संभव ही नहीं है। जाहिर है, बैठक में पाकिस्तानी उप-प्रधानमंत्री इशाक डार को यह नसीहत नागवार गुजरी होगी, मगर राजनाथ सिंह ने जो कुछ कहा, वह वैश्विक विवेचना की मांग करता है। उन्होंने उचित ही कहा है कि आतंकवाद के कारण न सिर्फ निंदीय लोगों की जान जाती है, बल्कि विकास और निवेश को भी गहरा नुकसान पहुंचता है। इससे कट्टरपंथ को बढ़ावा मिलता है। दक्षिण एशियाई देशों ने इसका काफी दंश भुगता है, बल्कि अब भी



भुगत रहे हैं, इसलिए इस मसले पर ईमानदारी से विमर्श होना ही चाहिए। यह बात दुनिया से छिपी नहीं है कि इस पूरे खिते में पाकिस्तान ने किस तरह से अस्थिरता फैलाने के लिए अपनी सरजमीं का इस्तेमाल होने दिया, बल्कि उसने अमेरिका तक के साथ धोखा किया। एबटाबाद में ओसामा बिन लादेन का मारा जाना इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। विडंबना यह है कि इस हकीकत से दो-चार होने के बाद भी पाकिस्तान के प्रति अमेरिका का रवैया दोमुंहापन वाला रहा। गौर कीजिए, तेहरान पर शिकंजा कसने के लिए वह दशकों से किसी भी हद तक जाने को तैयार है, मगर जिस इस्लामाबाद ने अफगानिस्तान में लोकतंत्र कायम करने की उसकी मुहिम को पलीता लगाया और उसके सबसे बड़े दुश्मन को अपने देश में शरण दी, उसके प्रति उसका कैसा रुख रहा? उसने पाकिस्तान को मिलने वाली इमदादों पर रोक लगाने के अलावा ऐसा कोई गंभीर प्रयास नहीं किया, जिससे आतंकवाद-परस्त इस मुल्क की रीढ़ टूट पाती। नतीजतन, इस्लामाबाद की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ और परिचम एशिया के देशों एवं चीन की आर्थिक मदद से वह दहशतगर्दों के लिए सरजाम जुटाता रहा। आज खुद राष्ट्रपति ट्रंप पाकिस्तानी फौजी प्रमुख आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस में दावत दे रहे हैं। आखिर इससे दुनिया को क्या संदेश जाता है? ऐसे में, राजनाथ सिंह ने दुशांबे में सही कहा है कि आतंकवाद से निपटने का कोई दोहरा मापदंड नहीं हो सकता और इसके पूरे इको-सिस्टम को जड़-मूल से खत्म करना होगा। फसीसनाक यह है कि दूसरों के आगे हाथ फैलाने को मजबूर पाकिस्तान खुद दहशतगर्दों की बड़ी कीमत चुका रहा है, इसके बावजूद वह आतंकवादियों के इस्तेमाल की रणनीति छोड़ने को राजी नहीं।

आज का कार्टून



विकासमिश्रा

दुनिया के जाने-माने उद्योगपति और स्पेस की दुनिया के खिलाड़ी एलन मस्क पिछले दिनों भारत को लेकर बहुत खफा नजर आए. उन्होंने भारतीय उद्योगपति मुकेश अंबानी पर आरोप लगाए कि भारत में स्टारलिन को अनुमति नहीं मिलने के पीछे वही हैं. हालांकि सरकार ने बहुत साफ शब्दों में कहा कि प्रक्रिया चल रही है और भारत अपनी सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था के नियमों को गढ़ने के बाद ही किसी को भी स्पेस इंटरनेट की अनुमति देगा. अंबानी ने भी मस्क को करारा जवाब दिया कि वे प्रतिस्पर्धा से नहीं डरते हैं.

मगर हमारी चर्चा का विषय फिलहाल यह है कि एलन मस्क ने जो आरोप लगाए, उसके पीछे क्या केवल उनकी व्यापारिक चिंता है या फिर मामला कुछ और है? केवल व्यापारिक चिंता होती तो वे शायद इतना नहीं बिलबिलाते

और भारत सरकार के निर्णय का इंतजार करते. मगर वे तो भारी बेचैनी में हैं. तो क्या वाकत का कोई टुकड़ा उनके हाथों से फिसला जा रहा है? भारत सरकार क्या एलन मस्क की बेचैनी को समझ गई है? ऐसे और भी बहुत से सवाल हैं. इन सवालों का जवाब तलाशने के लिए हमें वैश्विक राजनीति को बहुत ही सावधानीपूर्वक समझना होगा कि दुनिया के किन देशों में एलन मस्क किन सवालों के घेरे में हैं. उन पर किस तरह के खुराफात के आरोप लग रहे हैं! भारत के संदर्भ में सवालों के जवाब वहां तलाशे जा सकते हैं.

यूक्रेन ने एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स पर आरोप लगाए हैं कि उसने यूक्रेन के सैन्य अभियानों में इस्तेमाल होने वाले स्टारशील्ड सैटेलाइट इंटरनेट नेटवर्क पर गति सीमा लगा दी है. इसे इस तरह समझिए कि 160 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक तेज गति से चलने वाले ऑब्जेक्ट्स

के लिए इंटरनेट कनेक्टिविटी अत्यंत धीमी कर दी गई है. इसका नतीजा है कि यूक्रेन को हवाई हमले करने और रूसी ड्रोन्स को हवा में इंटरसेप्ट करने में कठिनाई आ रही है. इतना ही नहीं, रूस की मिसाइलों के हमलों की पहले से चेतावनी देने वाले अमेरिकी खुफिया डाटा मिलने में भी मुश्किलें आ रही हैं. अब यह समझिए कि स्टारशील्ड इंटरनेट सेवा है क्या? एस्पेसएक्स दुनिया भर में दो इंटरनेट सेवाएं देता है. एक है स्टारशील्ड और दूसरी है स्टारलिनक. स्टारलिनक आम नागरिकों के साथ ही हवाई जहाजों और जहाजों के लिए बनाई गई कमर्शियल सैटेलाइट इंटरनेट सेवा है. जबकि स्टारशील्ड खासतौर पर अमेरिकी सेना, पेंटागन और खुफिया एजेंसियों के लिए है. स्पेसएक्स का कहना है कि स्टारलिनक उसके स्वामित्व में है जबकि स्टारशील्ड अमेरिकी सरकार के नियंत्रण और दिशा-निर्देशों के तहत काम करती है.

यूक्रेन के मामले में स्पेसएक्स ने कहा है कि यूक्रेन में स्टारशील्ड की स्पीड या उपयोग को कम करने का फैसला उनका नहीं है, बल्कि अमेरिकी प्रशासन का है. लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस बात से इनकार किया है कि व्हाइट हाउस ने कोई पाबंदी लगाई है. अब मान लीजिए कि कल को स्टारलिनक भारत में अपनी सेवाएं देने लगे तो क्या जो डाटा एक्त्रित होगा, उसका उपयोग स्टारशील्ड नहीं करेगा?

यदि एलन मस्क ऐसा कहते भी हैं तो उनकी बात पर भरोसा कौन करे? यूक्रेन का मामला ही लें तो वह किससे पूछे कि स्टारशील्ड को किसने धीमा किया? मस्क ने या फिर ट्रम्प ने? क्या कभी कोई जवाब मिल पाएगा? इसलिए भारत के सामने यह बड़ी चुनौती है कि यदि स्टारलिनक को यहां काम करने की अनुमति दी जाती है तो उस पर नियंत्रण कैसे रखा जाए? भारत सरकार इन्हीं

बातों को ध्यान में रख कर नियम कानून बना रही है ताकि कोई दगाबाजी न कर सके! इस नियम कानून को लेकर ही एलन मस्क बेचैन हो गए हैं. इतना ही नहीं, मस्क के मौजूदा आकांक्षालु ट्रम्प भी खफा हैं क्योंकि उन्हें लग रहा था कि स्टारलिनक के माध्यम से भारत को मुझी में करने का मौका उन्हें मिल जाएगा. मगर अब वे भी हैरत में हैं कि भारत ने अंगूठा कैसे दिखा दिया?

भारत को पता है कि एलन मस्क कोई दूध के धुले व्यक्ति नहीं हैं कि उन पर भरोसा किया जाए, कई देशों में वे गंभीर आरोपों के घेरे में हैं. फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरो ने तो खुलेआम आरोप लगाया है कि एलन मस्क की कंपनी यूरोपीय नेताओं के खिलाफ ऑनलाइन उत्पीड़न अभियान चला रही है और 2027 के फ्रांसीसी राष्ट्रपति चुनाव में सभाविक्त विदेशी हस्तक्षेप से इनकार नहीं किया जा सकता.

लद्दाख की ऊंचाइयों तक पहुंच गया पर्यावरण संकट

अत्यधिक ऊंचाई होने के कारण लेह में वायुमंडल पहले से ही बहुत पतला है और वहां हवा में ऑक्सीजन का दबाव सामान्य मैदानों की तुलना में काफी कम होता है। जब इस ऑक्सीजन-विहीन हवा में ओजोन और ब्लैक कार्बन जैसे घातक तत्व मिल जाते हैं, तो यह मानव स्वास्थ्य के लिए दोहरा प्रहार बन जाता है। ओजोन एक तीखी और अत्यधिक प्रतिक्रियाशील गैस है, जो सांस लेते ही सीधे फेफड़ों के नाजुक ऊतकों पर हमला करती है। यह फेफड़ों में सूजन, सीने में जकड़न, लगातार खांसी, आंखों और गले में तीव्र जलन उत्पन्न करती है। जिन पर्यटकों या स्थानीय निवासियों को पहले से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस या सांस की बीमारियां हैं, उनके लिए यह स्थिति जानलेवा बन सकती है।

पंकज चतुर्वेदी

हिमालय की गोद में बसे लेह-लद्दाख के विशाल शीत मरुस्थल या हिम-मरू की निर्मल वादियों और पारदर्शी नीले आसमान को दुनिया भर में प्रकृति का एक अद्भुत वरदान माना जाता रहा है। समुद्र तल से लगभग साढ़े ग्यारह हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित इस दुर्गम क्षेत्र को कभी देश के सबसे स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त स्थलों में गिना जाता था। किंतु पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से पर्यटन के अभूतपूर्व विस्तार और अनियंत्रित मानवीय गतिविधियों के कारण, लेह का पर्यावरण एक बड़े संकट की चपेट में आ गया है। यहां वायु गुणवत्ता बिगड़ने की सबसे बड़ी वजह सतही ओजोन का खतरनाक स्तर पर होना पाया गया है। ओजोन सीधे उत्सर्जित होने वाला प्रदूषक नहीं है, बल्कि यह एक द्वितीयक प्रदूषक है। लेह में वाहनों, डीजल जेनरेटर्स, निर्माण-कार्यों और अपशिष्ट या कचरा जलाने से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनो-ऑक्साइड और वाष्पशील कार्बनिक यौगिक तेज धूप व गर्मी के समय आपस में प्रकाश-रासायनिक प्रतिक्रिया करके जमीन के ठीक पास जहरीली ओजोन का निर्माण करते हैं। लेह

की लगभग 3,500 मीटर की ऊंचाई पर पराबैंगनी विकिरण बेहद तीव्र होता है, जो इन रासायनिक प्रतिक्रियाओं को कई गुना तेज कर देता है। इसके अलावा, ऊंचाई पर ओजोन को नष्ट करने वाली अन्य गैसों की सांद्रता कम होने से यह खतरनाक गैस लंबे समय तक वायुमंडल में बनी रहती है। वैज्ञानिक मॉडलिंग के अनुसार, पुरे हिमालय में ओजोन का 15 से 18 प्रतिशत हिस्सा दक्षिण एशिया से आता है, जबकि 32 से 37 प्रतिशत तक का योगदान अन्य क्षेत्रों से होता है।

लेह में इस ओजोन और वायु प्रदूषण के बढ़ने के पीछे मानवीय दबाव और बुनियादी अवसंरचना में भारी वृद्धि का होना भी है। आंकड़ों पर नजर डालें, तो वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों, यानी जनवरी से सितंबर के दौरान ही 4,60,667 पर्यटक लेह की लगभग 3,35,872 पर्यटकों से लगभग 37 प्रतिशत अधिक थे। केवल सितंबर 2026 में ही 55,582 पर्यटक पहुंचे, जो पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 60 प्रतिशत से अधिक हैं। लद्दाख टैक्सि ऑपरेटर यूनियन के तहत पंजीकृत टूरिस्ट

टैक्सियों की संख्या छह हजार के पार पहुंच चुकी है, जो पिछले दशक की तुलना में तीन गुना से अधिक है। इसके अतिरिक्त, सीजन के दौरान चार से पांच हजार रेंटल मोटरसाइकिल भी सड़कों पर उतरती हैं। दूरदराज के होटलों में भारी-भरकम डीजल जेनरेटर्स का धुआं भी लगातार वातावरण को दूषित कर रहा है।



पहुंचे, जो वर्ष 2025 के कुल 3,35,872 पर्यटकों से लगभग 37 प्रतिशत अधिक थे। केवल सितंबर 2026 में ही 55,582 पर्यटक पहुंचे, जो पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 60 प्रतिशत से अधिक हैं। लद्दाख टैक्सि ऑपरेटर यूनियन के तहत पंजीकृत टूरिस्ट

टैक्सियों की संख्या छह हजार के पार पहुंच चुकी है, जो पिछले दशक की तुलना में तीन गुना से अधिक है। इसके अतिरिक्त, सीजन के दौरान चार से पांच हजार रेंटल मोटरसाइकिल भी सड़कों पर उतरती हैं। दूरदराज के होटलों में भारी-भरकम डीजल जेनरेटर्स का धुआं भी लगातार वातावरण को दूषित कर रहा है।



मैदानों की तुलना में काफी कम होता है। जब इस ऑक्सीजन-विहीन हवा में ओजोन और ब्लैक कार्बन जैसे घातक तत्व मिल जाते हैं, तो यह मानव स्वास्थ्य के लिए दोहरा प्रहार बन जाता है। ओजोन एक तीखी और अत्यधिक प्रतिक्रियाशील गैस है, जो सांस लेते ही सीधे फेफड़ों के

नाजुक ऊतकों पर हमला करती है। यह फेफड़ों में सूजन, सीने में जकड़न, लगातार खांसी, आंखों और गले में तीव्र जलन उत्पन्न करती है। जिन पर्यटकों या स्थानीय निवासियों को पहले से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस या सांस की बीमारियां हैं, उनके लिए यह स्थिति जानलेवा बन सकती है। अधिक ऊंचाई पर शरीर को सामान्य गतिविधियों के लिए भी अधिक ऑक्सीजन चाहिए, परंतु दूषित हवा के कारण फेफड़ों की ऑक्सीजन सोखने की क्षमता घट जाती है, जिससे चक्कर आना, भारी थकान, तीव्र सिरदर्द और माउंटन सिकनेस के गंभीर लक्षण तेजी से उभरने लगते हैं। स्पष्ट है कि लेह का नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र अपनी वहन क्षमता की अति पर है। यदि समय रहते लेह में डीजल वाहनों के अनियंत्रित प्रवेश, जेनरेटर्स के स्थान पर सौर ऊर्जा के उपयोग और सतत पर्यटन नीतियों को कड़ाई से लागू नहीं किया गया, तो भारत की यह अनूपम धरोहर प्रदूषण की भेंट चढ़ जाएगी। लेह को बचाने के लिए केवल स्थानीय स्तर पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर भी उत्सर्जन नियंत्रण के ठोस उपाय अपनाने होंगे, ताकि इस महान शीत मरुस्थल के निर्मल पर्यावरण और वहां के जनजीवन की रक्षा की जा सके।

बीसीसीआई अध्यक्ष ने दिया चौंकाने वाला बयान!

विश्वकप में खेल पाएंगे रोहित-कोहली! केवल फिटनेस ही चयन का आधार

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर चर्चाएं जारी हैं।

ऐसे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने 2027 वनडे विश्व कप में दोनों दिग्गजों के खेलने की संभावनाओं को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि टीम में चयन का आधार खिलाड़ियों की उम्र नहीं, बल्कि उनकी फिटनेस और प्रदर्शन होना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में अगले साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप से पहले रोहित और विराट के प्रदर्शन पर खास नजर रहेगी।

उम्र नहीं, प्रदर्शन होगा आधार

मन्हास ने स्पোর্ट्सटार को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर कोई खिलाड़ी फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश के लिए मैच जीत रहा है, तो चयन के लिए यही सबसे महत्वपूर्ण मानदंड होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरे नजरिये से चयन का आधार निश्चित रूप से फिटनेस और प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं। अगर कोई खिलाड़ी खेलने के लिए फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश के लिए मैच जीत रहा है, तो यही एकमात्र मानदंड

होना चाहिए, जिस पर हमें ध्यान देना चाहिए।' रोहित और विराट पिछले 24 महीनों में टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। दोनों की कोशिश एक और वनडे विश्व कप खेलने की होगी। वे 2023 में भारत की उस टीम का हिस्सा थे, जिसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

शुभमन गिल को मिलेगी मदद

मन्हास ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल के विकास में रोहित और विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की भूमिका की भी अहम बताया। उन्होंने कहा कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों की मौजूदगी गिल को कप्तानी में मदद दे सकती है। उन्होंने कहा, 'शुभमन पिछले दो-तीन वर्षों से गुजरात टाइटंस के कप्तान हैं। इसके अलावा वह भारत की भी अगुआई कर रहे हैं। मुझे लगता है कि विश्व कप अभियान शुरू करते समय उनका यह अनुभव काम आएगा। टीम में विराट, हार्दिक (पांड्या) और रोहित का होना निश्चित रूप से उनकी मदद करेगा।' मन्हास ने आगे कहा, 'जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी गेंदबाजी इकाई की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं, जबकि कोई दूसरा खिलाड़ी फील्डिंग यूनिट का नेतृत्व कर सकता है। यह जिम्मेदारियां बांटने की बात है। यह देखना दिलचस्प होगा कि चीजें किस तरह आगे बढ़ती हैं। शुभमन शांत स्वभाव के खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि सीनियर खिलाड़ियों का साथ उनके लिए फायदेमंद होगा।'

विश्व कप के दौरान कितनी होगी रोहित-विराट की उम्र!

रोहित शर्मा अप्रैल 2027 में 40 साल के हो जाएंगे, जबकि विराट कोहली विश्व कप के दौरान 38 वर्ष के होंगे। दोनों की उम्र को देखते हुए भारतीय टीम में बदलाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर सवाल उठते रहे हैं। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम में बदलाव की प्रक्रिया शुरू हुई थी। भारत के 2024 टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित, विराट और रवींद्र जडेजा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद रोहित और विराट ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट की भी अलविदा कह दिया। रोहित के वनडे में खराब फॉर्म के दौरान उनके संन्यास को लेकर अटकलें तेज हुई थीं। हालांकि, लॉर्ड्स में उनके शतक ने इन चर्चाओं पर कुछ हद तक विराम लगाया। दूसरी ओर, विराट कोहली वनडे क्रिकेट में लगातार रन बनाते हुए इस प्रारूप में अपनी भूमिका का आनंद ले रहे हैं।

एशियाई पैरा गेम्स-2026... यासिर-परवीन ने किया कमाल

भारत को शॉटपुट में तीनों पदक सचिन ने रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

आइची नागोया, एजेंसी। भारत के पैरा एथलीट सचिन सरजेवार खिलारी ने एशियाई पैरा गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बुधवार को नागोया में पुरुषों की एफ46 शॉटपुट स्पर्धा में सचिन ने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 15.87 मीटर दूर गोला फेंककर नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया। उनके इस प्रदर्शन के साथ भारत ने स्पर्धा में स्वर्ण, रजत और कांस्य तीनों पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया। पेरिस पैरालंपिक 2024 के रजत पदक विजेता सचिन ने एशियाई पैरा गेम्स में अपना पिछला स्वर्ण भी बरकरार रखा। उन्होंने चीन में हुए पिछले संस्करण में स्वर्ण पदक जीता था। इस बार उन्होंने 15.67 मीटर के पुराने गेम्स रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 15.87 मीटर का नया रिकॉर्ड कायम किया। भारत के मोहम्मद यासिर ने तीसरे प्रयास में 15.06 मीटर का श्रो करके रजत पदक जीता, जबकि परवीन ने 14.94 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस तरह पोलैंड में तीनों स्थान भारतीय खिलाड़ियों के नाम रहे।

आखिरी श्रो में सचिन ने पलटी बाजी

सचिन खिलारी का स्वर्ण पदक जीतने वाला प्रदर्शन खास रहा। उन्होंने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 15.87 मीटर दूर गोला फेंका और प्रतियोगिता का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले गेम्स रिकॉर्ड 15.67 मीटर था। सचिन ने दबाव के बीच अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और लगातार दूसरी बार एशियाई पैरा गेम्स में इस स्पर्धा का स्वर्ण जीतने में सफल रहे। यासिर और परवीन ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की ऐतिहासिक सफलता पूरी की।

नौ साल की उम्र में हुआ हादसा, फिर भी नहीं मानी हार

महाराष्ट्र के सांगली जिले के करगनी गांव में 23 अक्टूबर 1989 को जन्मे सचिन खिलारी का जीवन नौ साल की उम्र में हुए एक साइकिल हादसे के बाद बदल गया था। इस हादसे के कारण उनके बाएं हाथ की मांसपेशियों को स्थायी नुकसान पहुंचा और हाथ की गतिविधियां सीमित हो गईं। हालांकि, सचिन ने इन चुनौतियों को अपने खेल के रास्ते में बाधा नहीं बनने दिया। उन्होंने शुरुआत में भाला फेंक में हिस्सा लिया, लेकिन कंधे की चोट के बाद शॉटपुट को अपना मुख्य खेल बना लिया। लगातार मेहनत के दम पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई।

पैरालंपिक रजत और दो बार के विश्व चैंपियन

सचिन खिलारी ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में पुरुषों की एफ46 शॉटपुट स्पर्धा में 16.32 मीटर के एशियाई रिकॉर्ड श्रो के साथ रजत पदक जीता था। वह 2023 और 2024 में लगातार दो विश्व चैंपियनशिप खिताब भी जीत चुके हैं। अब एशियाई पैरा गेम्स में स्वर्ण और गेम्स रिकॉर्ड के साथ उन्होंने अपनी उपलब्धियों में एक और बड़ी सफलता जोड़ ली है। सचिन कोच सत्यनारायण के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेते हैं। उन्हें भारत की टारगेट ओलंपिक पोलैंड में प्रशिक्षण लेते हैं। उन्हें भारत की टारगेट ओलंपिक पोलैंड में प्रशिक्षण लेते हैं। उन्हें भारत की टारगेट ओलंपिक पोलैंड में प्रशिक्षण लेते हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं के विद्यार्थियों को भी पढ़ाया

सचिन खिलारी ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। खेल के अलावा वह अतिथि शिक्षक के रूप में भी काम कर चुके हैं और महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) तथा संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की मदद कर चुके हैं। खेल और शिक्षा के बीच संतुलन बनाने वाले सचिन की कहानी संघर्ष, अनुशासन और लगातार बेहतर करने की कोशिश का उदाहरण है। नागोया में उनका रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन इसी तबे सफर की एक और बड़ी उपलब्धि है।

एफ46 वर्ग क्या है...

एफ46 वर्ग उन फील्ड एथलीटों के लिए है, जिनके एक हाथ की कोहनी के ऊपर या नीचे अंग-विच्छेदन हुआ हो अथवा ऊपरी अंग में इसके समान स्तर की दिव्यांगता हो। इस वर्ग के खिलाड़ी खड़े होकर श्रो करते हैं और कुल्हों तथा पैरों की मदद से फेंकने की ताकत पैदा करते हैं। सचिन ने इसी वर्ग में 15.87 मीटर का श्रो करके स्वर्ण पदक जीता। यासिर और परवीन के रजत और कांस्य पदक ने भारत के लिए इस स्पर्धा को यादगार बना दिया।

संक्षिप्त समाचार

हरमनप्रीत की तूफानी पारी, शेफाली वर्मा ने भी मचाया धमाल

रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे और आखिरी टी20 मुकाबले में 92 रनों से शानदार जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से वलीन स्वीप किया। मंगलवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 216 रन बनाए। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय महिला टीम का चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 124 रन



ही बना सकी। इस जीत के साथ स्मृति मंधाना की अगुवाई में भारतीय टीम ने अपनी पहली सीरीज भी जीत ली। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उन्होंने 41 गेंदों पर नाबाद 91 रन बनाए। उनकी पारी में 10 चौके और पांच छक्के शामिल रहे। इस तरह हरमनप्रीत ने कुल 15 बाउंड्री लगाई और भारत को 200 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। वह अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक से महज नौ रन दूर रह गईं। हरमनप्रीत की यह पारी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय महिला टीम के लिए चौथे या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

टी20 सीरीज: वैभव से डरा न्यूजीलैंड! बल्लेबाज को रोकने के लिए बनाया प्लान

वेलिंगटन, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपने आक्रामक अंदाज से दुनिया भर के गेंदबाजों का ध्यान खींचा है। अब न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी माना है कि अगर इस युवा बल्लेबाज को भारत की प्लेइंग-11 में मौका मिलता है, तो उसे रोकना आसान नहीं होगा। हालांकि, पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले मेजबान कप्तान ने साफ किया कि उनकी टीम ने वैभव के खेल को अच्छे से देखा है और उन्हें रोकने के लिए कुछ खास योजनाएं तैयार की हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का पहला मुकाबला गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा।

वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड और आयरलैंड दौर के लिए भारतीय टीम में चुने जाने के बाद से सीमित मौके मिले हैं। नियमित सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और संजु सैमसन के लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण

उन्हें प्लेइंग-11 में जगह बनाने के लिए इंतजार करना पड़ा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली सीरीज में भी वह नहीं खेले थे। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी कहा है कि वैभव को अपने मौके के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। इसके बावजूद सैंटनर ने वैभव की प्रतिभा को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि यह युवा बल्लेबाज भविष्य में भारतीय टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकता है। सैंटनर ने सीरीज से पहले कहा, 'वैभव पिछली सीरीज में नहीं खेले थे, लेकिन हम जानते हैं कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। हमने उन्हें आईपीएल में देखा है। अभिषेक जैसे दूसरे खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वैभव की भारत के लिए बड़ी भूमिका होगी, चाहे वह इस सीरीज में हो या भविष्य में।'

न्यूजीलैंड के कप्तान ने आगे कहा, 'अगर उन्हें इस सीरीज में खेलने का मौका मिलता



भुवनेश्वर की स्विंग से न्यूजीलैंड को खतरा

भारतीय टीम में करीब चार साल बाद लौटे अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को लेकर भी सैंटनर ने अपनी राय रखी। न्यूजीलैंड के कप्तान का मानना है कि यहां की परिस्थितियां भुवनेश्वर की गेंदबाजी के अनुकूल होंगी। नई गेंद से स्विंग हासिल करने की उनकी क्षमता मेजबान टीम के बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकती है। सैंटनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि भुवी को न्यूजीलैंड की परिस्थितियां काफी पसंद आएंगी। अगर पिच पर गेंदबाजों के लिए कुछ मदद होगी, तो वह उसका फायदा उठा लेंगे। भारत की कुछ सपाट पिचों पर भी उन्होंने गेंद को स्विंग कराया है और उसमें मूवमेंट हासिल की है। इसलिए यहां नई गेंद से उनका सामना करना खास तौर पर चुनौतीपूर्ण होगा।' उन्होंने भारतीय पिचों पर बड़े स्कोर बनने का जिक्र करते हुए कहा, 'आजकल भारत में गेंदबाजी करना काफी चुनौतीपूर्ण है। हमने हाल की सीरीज में देखा कि 250 रन का लक्ष्य भी हासिल कर लिया गया। ऐसे में कौन गेंदबाज बनना चाहेंगे? लेकिन भुवी को यहां की परिस्थितियां थोड़ी ज्यादा पसंद आ सकती हैं।'

